DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)

CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-30 September

2024

CONTENT

S No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद व्यवसाय पर हुई चर्चा		दैनिक जागरण	9	01/08/2024
2.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नवाचार को स्टार्टअप में परिवर्तित करना विषय पर हुआ दो दिवसीय सत्र का सफल समापन		युग बन्धु समाचार	10	01/08/2024
3.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में लीन स्टार्ट-अप और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद/व्यवसाय विषय पर हुआ ऑनलाइन सत्र का आयोजन		युग बन्धु समाचार	11	01/08/2024
4.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'लीन स्टार्ट-अप और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद/व्यवसाय' विषय पर हुआ ऑनलाइन सत्र का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	12	01/08/2024
5.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह की पुस्तक का हुआ विमोचन		युग बन्धु समाचार	13	03/08/2024
6.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह की पुस्तक का हुआ विमोचन		विधान केसरी	14	03/08/2024
7.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह की पुस्तक का हुआ विमोचन		शाह टाइम्स ब्यूरो	15	03/08/2024
8.	डा. सिंह की पुस्तक भारत का संविधान का विमोचन		दैनिक जागरण	16	03/08/2024
9.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह की पुस्तक का हुआ		हिन्दुस्तान	17	03/08/2024

	विमोचन				
10.	आईएफटीएम में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की ओर से हुआ रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	18	03/08/2024
11.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की ओर से हुआ रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन		युग बन्धु समाचार	19	03/08/2024
12.	आईएफटीएम में प्रारंभिक चरण के उद्यमियों के लिए एंजल निवेश/वीसी फंडिंग का अवसर विषय पर हुआ सत्र का आयोजन		विधान केसरी	20	03/08/2024
13.	आईएफटीएम में प्रारंभिक चरण के उद्यमियों के लिए एंजल निवेश/वीसी फंडिंग का अवसर विषय पर हुआ सत्र का आयोजन		युग बन्धु समाचार	21	03/08/2024
14.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाए जाने के तहत हुआ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन		युग बन्धु समाचार	22	06/08/2024
15.	आईएफटीएम में शिक्षक दिवस मनाए जाने के तहत हुआ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन		विधान केसरी	23	06/08/2024
16.	आईएफटीएम में शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एण्ड रिकॉग्निशन सेरेमनी का हुआ आयोजन		विधान केसरी	24	06/08/2024
17.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर 'टीचर्स अवार्ड एण्ड रिकॉग्निशन सेरेमनी' का हुआ आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	25	06/08/2024
18.	आईएफटीएम में शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एण्ड रिकॉग्निशन सेरेमनी का हुआ आयोजन		युग बन्धु समाचार	26	06/08/2024
19.	आइएफटीएम में शिक्षक दिवस मनाया		दैनिक जागरण	27	06/08/2024
20.	छात्रों को संस्कारवान बनाएं शिक्षक: राजीव		हिन्दुस्तान	28	06/08/2024
21.	शिक्षकों को टीचर्स अवार्ड से किया गया सम्मानित		अमर उजाला	29	06/08/2024
22.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर 'टीचर्स अवार्ड एण्ड रिकॉग्निशन सेरेमनी' का हुआ आयोजन		विधान केसरी	30	06/08/2024

23.	शिक्षक दिवस पर दीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां,पोषण और संतुलित आहार का करना चाहिए सेवन		हिन्दुस्तान	31	07/08/2024
24.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 के अंतर्गत मौखिक और पोस्टर प्रेजेंटेशन का हुआ आयोजन		युग बन्धु समाचार	32	07/08/2024
25.	आईएफटीएम में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 के अंतर्गत मौखिक और पोस्टर प्रेजेंटेशन का हुआ आयोजन		विधान केसरी	33	07/08/2024
26.	आईएफटीएम में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 के अंतर्गत मौखिक और पोस्टर प्रेजेंटेशन का हुआ आयोजन		विधान केसरी	34	07/08/2024
27.	निबंध प्रतियोगिता में रजत ने मारी बाजी		दैनिक जागरण	35	07/08/2024
28.	आईएफटीएम में मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 का हुआ सफल समापन		विधान केसरी	36	12/08/2024
29.	रैली निकालकर बताया आहार का महत्व		दैनिक जागरण	37	12/08/2024
30.	आईएफटीएम में मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 का हुआ सफल समापन		शाह टाइम्स ब्यूरो	38	12/08/2024
31.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 का हुआ सफल समापन		युग बन्धु समाचार	39	12/08/2024
32.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'मशरूम कल्टीवेशन एण्ड प्रोडक्शन ऑफ वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स' विषय पर चल रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ सफल समापन		शाह टाइम्स ब्यूरो	40	12/08/2024
33.	आईएफटीएम के 42 छात्रों को मिली जॉब, कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को लेकर रहें सजग		हिन्दुस्तान	41	13/08/2024
34.	जॉब सीकर की बजाय जाब क्रिएटर बनें छात्र		दैनिक जागरण	42	13/08/2024
35.	आईएफटीएम विवि के 42 बीटेक एवं डिप्लोमा विद्यार्थियों का चयन		अमर उजाला	43	13/08/2024
36.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 42 छात्रों को मिली जॉब		युग बन्धु समाचार	44	13/08/2024
37.	आईएफटीएम के 16 विद्यार्थियों को मिली		विधान केसरी	45	13/08/2024

	जॉब				
38.	एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स ने मां के साथ किया पौधारोपण		दैनिक जागरण	46	14/08/2024
39.	आईवीआरआई का किया भ्रमण		हिन्दुस्तान	47	14/08/2024
40.	आईएफटीएम के विद्यार्थियों ने किया भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान का भ्रमण		विधान केसरी	48	14/08/2024
41.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मशरूम कल्टीवेशन एण्ड प्रोडक्शन ऑफ वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स विषय पर चल रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ सफल समापन		युग बन्धु समाचार	49	14/08/2024
42.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान का भ्रमण		युग बन्धु समाचार	50	14/08/2024
43.	आईएफटीएम शिविद्यालय में 9 यूपी गर्न बालियन, एनसी की ओर से हुआ विविध कार्यक्रम का आयोजन		युग बन्धु समाचार	51	14/08/2024
44.	'भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान' का भ्रमण		युग बन्धु समाचार	52	14/08/2024
45.	आईएफटीएम शिविद्यालय में 9 यूपी गर्न बालियन, एनसी की ओर से हुआ विविध कार्यक्रम का आयोजन		हिन्दुस्तान	53	14/08/2024
46.	फार्माकोविजिलेंस की दी विस्तृत जानकारी		शाह टाइम्स ब्यूरो	54	14/08/2024
47.	वास्तुकारों के संरक्षक हैं विश्वकर्मा: प्रो. अग्रवाल		युग बन्धु समाचार	55	14/08/2024
48.	आईएफटीएम में विधि-विधान के साथ हुई भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना		दैनिक जागरण	56	18/08/2024
49.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में चलाया गया एक दिवसीय विशेष वृक्षारोपण अभियान		युग बन्धु समाचार	57	18/08/2024
50.	आईएफटीएम में विधि-विधान के साथ हुई भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना		युग बन्धु समाचार	58	18/08/2024
51.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फामेसी संकाय में हुआ राष्ट्रीय फामाकीविजिलेंस सप्ताह का शुभारंभ		युग बन्धु समाचार	59	18/08/2024

52.	आईएफटीएम में चलाया गया एक दिवसीय विशेष वृक्षारोपण अभियान		शाह टाइम्स ब्यूरो	60	18/08/2024
53.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फामेर्सी संकाय में हुआ राष्ट्रीय फामाकीविजिलेंस सप्ताह का शुभारंभ		युग बन्धु समाचार	61	18/08/2024
54.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ में हुआ अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन		दैनिक जागरण	62	18/08/2024
55.	वाद विवाद में अभिषेक विजेता		अमर उजाला	63	18/08/2024
56.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ में हुआ अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन		युग बन्धु समाचार	64	21/08/2024
57.	खुद को निरंतर रखें अपडेट		युग बन्धु समाचार	65	21/08/2024
58.	आईएफटीएम विश्विद्यालय में 'दवा उद्योग में अपेक्षाएं और मान्यताएं विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार		युग बन्धु समाचार	66	21/08/2024
59.	आईएफटीएम विश्विद्यालय में 'दवा उद्योग में अपेक्षाएं और मान्यताएं विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार		विधान केसरी	67	21/08/2024
60.	दवा बनाते समय करें मानकों का पालननीर :		विधान केसरी	68	22/08/2024
61.	आईएफटीएम में 21 वीं सदी में फामेर्सी पेशे की बदलती गतिशीलता विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार		विधान केसरी	69	22/08/2024
62.	आईएफटीएम में फार्मासिस्ट डे पर हुए विविध कार्यक्रम		हिन्दुस्तान	70	22/08/2024
63.	गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के कार्यों को किया याद		शाह टाइम्स ब्यूरो	71	22/08/2024
64.	आईएफटीएम में 'वर्ल्ड फार्मेसिस्ट्स डे' पर हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन		युग बन्धु समाचार	72	22/08/2024
65.	आईएफटीएम के स्कूल ऑफ साइंसेज में मनाया गया मैथ्स स्टोरी टैलिंग डे		हिन्दुस्तान	73	26/08/2024
66.	आईएफटीएम में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर आयोजित हुआ सत्र		शाह टाइम्स ब्यूरो	74	26/08/2024

67.	आईएफटीएम में माइकल फैराडे के जन्मदिन के अवसर पर हुआ पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन		युग बन्धु समाचार	75	26/08/2024
68.	आईएफटीएम में मनाया गया फार्मेसिस्ट्स दिवस		अमर उजाला	76	26/08/2024
69.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर आयोजित हुआ सत्र		विधान केसरी	77	26/08/2024
70.	आईएफटीएम में 'वर्ल्ड फार्मेसिस्ट्स डे' पर हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन		हिन्दुस्तान	78	26/08/2024
71.	आईएफटीएम में माइकल फैराडे के जन्मदिन के अवसर पर हुआ पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन		अमर उजाला	79	26/08/2024
72.	आईएफटीएम के स्कूल ऑफ साइंसेज में मनाया गया मैथ्स स्टोरी टैलिंग डे		युग बन्धु समाचार	80	26/08/2024
73.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विधिक क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन		विधान केसरी	81	26/08/2024
74.	पर्यटन के महत्व पर जोर दिया		विधान केसरी	82	26/08/2024
75.	आईएफटीएम में 'विश्व पर्यटन दिवस' के अवसर पर हुआ पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	83	26/08/2024
76.	छात्र को मिली ऑस्ट्रेलिया सरकार में नौकरी, आयात-निर्यात की नीतियों को बताया		विधान केसरी	84	26/08/2024
77.	अंडर-14 क्रिकेट के ट्रायल कल		युग बन्धु समाचार	85	26/08/2024
78.	आईएफटीएम के छात्र राघविन्दर सिंह को पर्यावरण संरक्षण अधिकारी के पद के लिए ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट की ओर से प्राप्त हुआ जॉब ऑफर		युग बन्धु समाचार	86	28/08/2024
79.	आईएफटीएम में 30 सितंबर को होंगे अंडर 14 क्रिकेट ट्रायल्स		युग बन्धु समाचार	87	28/08/2024
80.	आईएफटीएम में 'रोल ऑफ एक्जिम पॉलिसी इन प्रोमोटिंग द इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ		युग बन्धु समाचार	88	28/08/2024

	द कंट्री' विषय पर आयोजित हुआ सत्र				
81.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'एकल गायन प्रतियोगिता' का हुआ आयोजन		युग बन्धु समाचार	89	29/08/2024
82.	आईएफटीएम में 'रोल ऑफ एक्जिम पॉलिसी इन प्रोमोटिंग द इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ द कंट्री' विषय पर आयोजित हुआ सत्र		हिन्दुस्तान	90	29/08/2024
83.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मेकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग में हुआ एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	91	29/08/2024
84.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के छात्र राघविन्दर सिंह को पर्यावरण संरक्षण अधिकारी के पद हेतु ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट की ओर से प्राप्त हुआ जॉब ऑफर		हिन्दुस्तान	92	29/08/2024
85.	आईएफटीएम विश्वविद्यालय के छात्र राघविन्दर सिंह को पर्यावरण संरक्षण अधिकारी के पद हेतु ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट की ओर से प्राप्त हुआ जॉब ऑफर		अमर उजाला	93	29/08/2024
86.	आईएफटीएम में कृषि स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद करियर के अवसर विषय पर हुआ व्याख्यान का आयोजन		शाह टाइम्स ब्यूरो	94	29/08/2024
87.	आईएफटीएम में कृषि स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद करियर के अवसर विषय पर हुआ व्याख्यान का आयोजन		दैनिक जागरण	95	29/08/2024
88.	आईएफटीएम में आत्मनिर्भर भारत विषय पर हुआ भाषण प्रतियोगिता का आयोजन		युग बन्धु समाचार	96	29/08/2024

दैनिक जागरण मुरादाबाद, 1 सितंबर, 2024

न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद व्यवसाय पर हुई चर्चा

मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में शनिवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल आइआइसी एवं फैकल्टी आफ फार्मेसी की ओर से आनलाइन सत्र का आयोजन हुआ। लीन स्टार्ट-अप और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद व्यवसाय विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को एक स्टार्टअप के न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद एमवीपी को कम समय में बनाकर और फिर ग्राहकों के साथ तेजी से उसका परीक्षण करने से संबंधित ज्ञान उपलब्ध कराना रहा। सत्र के प्रारंभ में अनिल सिंह ने बताया कि लीन स्टार्टअप मेथोडोलाजी एक बिजनेस माडल इनोवेशन फ्रेमवर्क है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा की। संचालन डा .श्वेता वर्मा ने किया। डा .सुशील कुमार, डा .अरुण कुमार मिश्र, डा .अतानु नाग, डा .अलंकार श्रीवास्तव, डा .पवन कुमार मौजूद रहे। जासं

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नवाचार को स्टार्टअप में परिवर्तित करना विषय पर हुआ

दो दिवसीय सत्र का सफल समापन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में कन्वर्टिंग इनोवेशन इन टू अ स्टार्ट-अप इन अचीविंग वैल्यू प्रोपोजीशन फिट एण्ड बिजनेस फिट विषय पर आयोजित दो दिवसीय सत्र का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के अभिनव विचारों को सफल स्टार्ट-अप में बदलने के लिए प्रेरित करना व उनका मार्गदर्शन करना था। सत्र के पहले दिन रिसोर्स पर्सन व एजीआर टैलेंट लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर (कौशल विकास) आदर्श तिवारी ने विद्यार्थियों को बाजार की जरूरतों को पहचानने और उन जरूरतों को पूरा करने के लिए अभिनव समाधानों को सरेखित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एक मजबूत टीम बनाने के महत्व और स्टार्ट-अप की सफलता में प्रभावी परियोजना प्रबंधन की भूमिका पर भी चर्चा की। वहीं सत्र के दूसरे दिन रिसोर्स पर्सन व द पॉपकॉर्न मीडिया के सह-संस्थापक वीराज वशिष्ठ ने अपनी उद्यमशीलता की यात्रा के अनुभव साझा करते हुए स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में चुनौतियों और अवसरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। श्री वशिष्ठ ने नेटवर्किंग, डिजिटल मार्केटिंग का लाभ उठाने और ग्राहक-केन्द्रित दृष्टिकोण बनाए रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के आयोजकों की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम एकेडमिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को उद्यमशीलता परिदृश्य को नेविगेट करने के लिए आवश्यक उपकरण और अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि हम अपने छात्र-छात्राओं को उद्योग जगत के विशेषज्ञों से सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस कार्यक्रम कें आयोजन का मुख्य उद्देश्य हमारे विद्यार्थियों की उद्यमशीलता से सम्बन्धित क्षमताओं को बढ़ाना है। आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने कार्यक्रम के परिणाम पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईसी और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के बीच सहयोग एक बार फिर फलदायी साबित हुआ है। उन्होने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों के बीच एक अभिनव मानसिकता को बढ़ावा देना और उन्हें स्टार्ट-अप की दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल से परिपूर्ण करना है। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयिका व स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की संयोजिका डॉ. आरती गर्ग ने किया। इस दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, डॉ. आशीष कुमार सक्सेना, डॉ. मेघा भाटिया, आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग समेत टीम के अन्य सदस्य अक्षय शर्मा, डॉ. निधि चौधरी, ज्योति सिंह, शोभित कुमार, मोनिका चौहान की उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एक पारस्परिक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को वक्ताओं से संवाद करने के माध्यम से स्टार्ट-अप की यात्रा के बारे में अधिक से अधिक जानने का अवसर मिला। इस दो दिवसीय सत्र में 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में लीन स्टार्ट-अप और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद/व्यवसाय विषय पर हुआ ऑनलाइन सत्र का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) एवं फैकल्टी ऑफ फॉमेर्सी के संयुक्त तत्वावधान में लीन स्टार्ट-अप और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद/व्यवसाय विषय पर एक ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एक स्टार्ट-अप के न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (एमवीपी) को कम समय में बनाकर और फिर ग्राहकों के साथ तेजी से उसका परीक्षण करने से संबंधित ज्ञान उपलब्ध कराना रहा। सत्र के प्रारंभ में रिसोर्स पर्सन व आईआईटी मण्डी कैटलिस्ट के जनरल मैनेजर श्री अनिल सिंह ने बताया कि लीन स्टार्टअप मेथोडोलॉजी एक बिजनेस मॉडल इनोवेशन फ्रेमवर्क है, जिसने इतिहास में कुछ सबसे सफल व्यवसायों को बनाने में मदद की है। यह इस विचार पर आधारित है कि स्टार्ट-अप को अपने उत्पादों और सेवाओं का लगातार परीक्षण और पुनरावृत्ति करनी चाहिए। उन्होंने स्टार्ट-अप की सफलता में प्रभावी परियोजना के क्रियान्वयन की भूमिका पर भी विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने इस पहल हेतु कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के समसामयिक और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने में अत्यंत लाभदायी भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को उद्यमशीलता के समस्त आयामों से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व फॉमेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हम अपने छात्र-छात्राओं को उद्योग जगत के विशेषज्ञों से सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस कार्यक्रम के आयोजन का भी मुख्य उद्देश्य हमारे विद्यार्थियों की उद्यमशीलता से सम्बन्धित क्षमताओं को बढ़ाना है।

आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने कार्यक्रम के परिणाम पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईसी और फैकल्टी ऑफ फामेर्सी के बीच सहयोग एक बार फिर फलदायी साबित हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों के बीच एक अभिनव मानसिकता को बढ़ावा देना और उन्हें स्टार्ट-अप की दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल से परिपूर्ण करना है। कार्यक्रम का संचालन फॉमेर्सी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. स्वेता वर्मा ने किया। आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर एवं साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फॉमेर्सी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्र, आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग समेत टीम के डॉ. अलंकार श्रीवास्तव एवं डॉ. पवन कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एक पारस्परिक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें वक्ता ने एमवीपी बनाकर अपने लक्षित बाजार से प्रतिक्रिया पाने की आवश्यक बारीकियां विद्यार्थियों के साथ साझा कीं। इस ऑनलाइन सत्र में 68 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि0

● आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'लीन स्टार्ट-अप और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद/व्यवसाय' विषय पर हुआ ऑनलाइन सत्र का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन्स इना. 'वेशन काउंसिल (आईआईसी) एवं फैकल्टी ऑफ फॉर्मेसी के संयुक्त तत्वावधान में "लीन स्टार्ट-अप और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद/व्यवसाय" विषय पर एक ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एक स्टार्ट-अप के न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद (एमवीपी) को कम समय में बनाकर और फिर ग्राहकों के साथ तेजी से उसका परीक्षण करने से संबंधित ज्ञान उपलब्ध कराना रहा। सत्र के प्रारंभ में रिसोर्स पर्सन व आईआईटी मण्डी कैटलिस्ट के जनरल मैनेजर श्री अनिल सिंह ने बताया कि लीन स्टार्टअप मेथोडोलॉजी एक बिजनेस मॉडल इनोवेशन फ्रेमवर्क है, जिसने इतिहास में कुछ सबसे सफल व्यवसायों को बनाने में मदद की है। यह इस विचार पर आधारित है कि स्टार्ट-अप को अपने उत्पादों और सेवाओं का लगातार परीक्षण और पुन. रावृत्ति करनी चाहिए। उन्होंने स्टार्ट-अप की सफलता में प्रभावी परियोजना के क्रियान्वयन की भूमिका पर भी विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने इस पहल हेतु कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के समसामयिक और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने में अत्यंत लाभदायी भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को उद्यमशीलता के समस्त आयामों से परिचित कराते हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व फॉर्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हम अपने छात्र-छात्राओं को उद्योग जगत के विशेषज्ञों से सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा इस कार्यक्रम के आयोजन का भी मुख्य उद्देश्य हमारे विद्यार्थियों की उद्यमशीलता से सम्बन्धित क्षमताओं को बढ़ाना है। आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने कार्यक्रम के परिणाम पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईसी और फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के बीच सहयोग एक बार फिर फलदायी साबित हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों के बीच एक अभिनव मानसिकता को बढ़ावा देना और उन्हें स्टार्ट-अप की दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल से परिपूर्ण करना है। कार्यक्रम का संचालन फॉर्मेसी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. स्वेता वर्मा ने किया आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार, डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर एवं साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फॉर्मेसी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्र, आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग समेत टीम के डॉ. अलंकार श्रीवास्तव एवं डॉ. पवन कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन एक पारस्परिक प्रश्नोत्तर सत्र

के साथ हुआ, जिसमें वक्ता ने एमवीपी बनाकर अपने लक्षित बाजार से प्रतिक्रिया पाने की आवश्यक बारीकियां विद्यार्थियों के साथ साझा कीं। ऑनलाइन सत्र में 68 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह की पुस्तक का हुआ विमोचन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के विधि विभाग के शिक्षक प्रो. डॉ० योगेंद्र सिंह द्वारा लिखित पुस्तक भारत का संविधान का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. सिंह की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक विधि विद्यार्थियों, न्यायिक सेवा एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने डॉ. सिंह का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए।

इस मौके पर स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा ने डॉ. सिंह को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करने के साथ ही नए शिक्षकों को भी पुस्तक लेखन के प्रति प्रेरित करती हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन मित्तल पब्लिकेशन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा किया गया है। 600/- रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में कुल 6 अध्याय है, जिनमें भारतीय संविधान से संबंधित विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से वर्णन किया गया है तथा नए न्यायिक दृष्टिकोण को परिभाषित किया गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश के विभिन्न बुक स्टालों के अलावा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध रहेगी। अध्यापन के क्षेत्र में डॉ. सिंह का 14 वर्ष का अनुभव होने के साथ ही उनके 40 से अधिक शोधपत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं एवं डॉ. सिंह 20 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुके हैं। वर्तमान में डॉ. सिंह के निर्देशन में 5 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्राप्त हो चुकी है एवं 6 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। डॉ. सिंह की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के समस्त स्कूलों के निदेशकों व शिक्षकों ने भी बधाई दी है।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह की पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के विधि विभाग के शिक्षक प्रो. डॉ० योगेंद्र सिंह द्वारा लिखित पुस्तक भारत का संविधान का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. सिंह की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक विधि विद्यार्थियों, न्यायिक सेवा एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने डॉ. सिंह का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए।

इस मौके पर स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा ने डॉ. सिंह को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करने के साथ ही नए शिक्षकों को भी पुस्तक लेखन के प्रति प्रेरित करती हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन मित्तल पब्लिकेशन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा किया गया है। 600/- रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में कुल 6 अध्याय है, जिनमें भारतीय संविधान से संबंधित विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से वर्णन किया गया है तथा नए न्यायिक दृष्टिकोण को परिभाषित किया गया है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश के विभिन्न बुक स्टालों के अलावा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध रहेगी। अध्यापन के क्षेत्र में डॉ. सिंह का 14 वर्ष का अनुभव होने के साथ ही उनके 40 से अधिक शोधपत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं एवं डॉ. सिंह 20 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुके हैं।

वर्तमान में डॉ. सिंह के निर्देशन में 5 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्राप्त हो चुकी है एवं 6 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। डॉ. सिंह की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के समस्त स्कूलों के निदेशकों व शिक्षकों ने भी बधाई दी है।

आईएफटीएम के शिक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह की पुस्तक का हुआ विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के विधि विभाग के शिक्षक प्रो. डॉ० योगेंद्र सिंह द्वारा लिखित पुस्तक ''भारत का संविधान'' का विमोचन विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. सिंह की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक विधि विद्यार्थियों, न्यायिक सेवा एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एण्ड एडमिनि स्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने डॉ. सिंह का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। इस मौके पर स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा ने डॉ. सिंह को बधाई देते हुए कहा

कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करने के साथ ही नए शिक्षकों को भी पुस्तक लेखन के प्रति प्रेरित करती हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन मित्तल पब्लिकेशन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा किया गया है। वर्तमान में डॉ. सिंह के निर्देशन में 5 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्राप्त हो चुकी है एवं 6 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। डॉ. सिंह की इस उपलब्धि के लिए विश्व विद्यालय के समस्त स्कूलों के निदेशकों व शिक्षकों ने भी बधाई दी है।

6 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 3 सितंबर, 2024

डा. सिंह की पुस्तक भारत का संविधान का विमोचन

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में सोमवार को स्कूल आफ ला के विधि विभाग के शिक्षक प्रो. डा. योगेंद्र सिंह द्वारा लिखित पुस्तक भारत का संविधान का विमोचन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने विमोचन किया। कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक विधि विद्यार्थियों, न्यायिक सेवा एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। डा. सिंह ने बताया कि इस पुस्तक का प्रकाशन मित्तल पब्लिकेशन, यूनाइटेड किंगडम ने कियाहै। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति–एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रो. नवनीत वर्मा, प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा ने डा. सिंह को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करने के साथ ही नए शिक्षकों को भी पुस्तक लेखन के प्रति प्रेरित करती हैं।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, मंगलवार, 3 सितंबर 2024 05

आईएफटीएम के शिक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह की पुस्तक का हुआ विमोचन।

आईएफटीएम के शिक्षक की पुस्तक का हुआ विमोचन

आयोजन

- कुलपति ने डॉ. सिंह की इस उपलब्धि के लिए दी बधाई
- कहा, विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी यह पुस्तक

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के विधि विभाग के शिक्षक प्रो. डॉ. योगेंद्र सिंह द्वारा लिखित पुस्तक 'भारत का संविधान' का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने किया।

कुलपति ने डॉ. सिंह की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक विधि विद्यार्थियों, न्यायिक सेवा एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने डॉ. सिंह का उत्साहवर्धन किया।

विधान केसरी मुराद

आईएफटीएम में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की ओर से हुआ रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की ओर से एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगे रंगों से सुसज्जित रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करते हुए सभी उपस्थितों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता कर रहे प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी समय-समय पर ऐसे आयोजन कराते रहने का आह्वान किया। इस मौके पर कार्यक्रम की आयोजन सचिव व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की अपर निदेशक प्रो. नीलू त्रिवेदी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र ओंकार, राजा, रवि, रोहित प्रथम स्थान पर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के छात्र कमल, अंशु, गौरव, दीक्षा, मुस्कान द्वितीय स्थान पर तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी प्रियंका, तरुण, बॉबी, सुशील तृतीय स्थान पर रहे, जिन्हें अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक संजीव कुमार सिंह का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों समेत डॉ. माधवी गुप्ता, आशीष नगिला, नीरज कुमार, मो. जावेद, श्रीमती छवि गुप्ता एवं अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की ओर से हुआ रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की ओर से एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगे रंगों से सुसज्जित रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करते हुए सभी उपस्थितों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता कर रहे प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी समय-समय पर ऐसे आयोजन कराते रहने का आह्वान किया।

इस मौके पर कार्यक्रम की आयोजन सचिव व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की अपर निदेशक प्रो. नीलू त्रिवेदी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र ओंकार, राजा, रवि, रोहित प्रथम स्थान पर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के छात्र कमल, अंशु, गौरव, दीक्षा, मुस्कान द्वितीय स्थान पर तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी प्रियंका, तरुण, बॉबी, सुशील तृतीय स्थान पर रहे, जिन्हें अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में

कार्यक्रम संयोजक संजीव कुमार सिंह का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों समेत डॉ. माधवी गुप्ता, आशीष नगिला, नीरज कुमार, मो. जावेद, छवि गुप्ता एवं अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे। वि0

आईएफटीएम में प्रारंभिक चरण के उद्यमियों के लिए एंजल निवेश/वीसी फंडिंग का अवसर विषय पर हुआ सत्र का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) एवं ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में प्रारंभिक चरण के उद्यमियों के लिए एंजल निवेश/वीसी फंडिंग का अवसरह्नह्न विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक चरण के उद्यमियों को एंजल निवेशकों और वेंचर कैपिटलिस्ट्स (वीसी) के माध्यम से वित्तपोषण प्राप्त करने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी प्रदान करना रहा। इस सत्र में मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा स्थित कम्नपी सन वैक्यूम फॉर्मर्स प्रा० लिमिटेड में कार्यरत मैनेजर, एचआर एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन श्री विनायक दुबे मुख्य वक्ता के रूप में रहे। श्री दुबे ने उद्योग में अपने व्यापक अनुभव के आधार पर प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ प्रारंभिक चरण के उद्यमों के लिए वित्तपोषण प्राप्त करने की जटिलताओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। उन्होंने एंजल निवेश और वीसी फंडिंग का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए इन दोनों के बीच के अंतर और उद्यमशीलता यात्रा में उनकी प्रासंगिकता को समझाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स को अपने व्यवसाय मॉडल और निवेशकों से संपर्क करने के दृष्टिकोण के लिए अच्छी तरह से तैयार होना चाहिए।

सत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रभावी पिचिंग रणनीतियों पर केंद्रित था, जिसमें मुख्य वक्ता श्री दुबे ने स्पष्ट, संक्षिप्त और प्रेरक पिच की आवश्यकता पर जोर दिया, जो ठोस डेटा और बाजार की गहन समझ से समर्थित हो। उन्होंने निवेश प्रक्रिया के चरणों का भी विस्तृत वर्णन किया, जिसमें निवेशकों से प्रारंभिक संपर्क से लेकर अंतिम समझौते तक की प्रक्रिया शामिल थी।

सत्र की शुरूआत में ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल द्वारा विषय की परिचयात्मक जानकारी उपलब्ध कराई गई।

श्री बंसल ने वर्तमान निवेश परिदृश्य का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए प्रारंभिक चरण के वित्तपोषण के महत्व को भी रेखांकित किया। आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने सभी का स्वागत किया एवं नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर देते हुए प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सत्र का समापन हुआ, साथ ही उन्होंने बहुमूल्य अंतर्दृष्टियों हेतु मुख्य वक्ता श्री दुबे की सराहना भी की। उन्होंने यह भी बताया कि इस सत्र के दौरान प्रतिभागियों को वित्तपोषण परिदृश्य की व्यापक समझ प्रदान करने के साथ ही उन्हें प्रारंभिक चरण के उद्यमियों के रूप में निवेश के अवसरों का पीछा करने के लिए आवश्यक ज्ञान और आत्मविश्वास से लैस किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट ऑफिसर श्री आशीष अग्रवाल ने किया। इस दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों और विभागों के 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रारंभिक चरण के उद्यमियों के लिए एंजल निवेश/वीसी फंडिंग का अवसर विषय पर हुआ सत्र का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) एवं ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में प्रारंभिक चरण के उद्यमियों के लिए एंजल निवेश/वीसी फंडिंग का अवसर विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक चरण के उद्यमियों को एंजल निवेशकों और वेंचर कैपिटलिस्ट्स (वीसी) के माध्यम से वित्तपोषण प्राप्त करने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी प्रदान करना रहा। इस सत्र में मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा स्थित कम्पनी सन वैक्यूम फॉर्मर्स प्रा0 लिमिटेड में कार्यरत मैनेजर, एचआर एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन श्री विनायक दुबे मुख्य वक्ता के रूप में रहे। श्री दुबे ने उद्योग में अपने व्यापक अनुभव के आधार पर प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ प्रारंभिक चरण के उद्यमों के लिए वित्तपोषण प्राप्त करने की जटिलताओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। उन्होंने एंजल निवेश और वीसी फंडिंग का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए इन दोनों के बीच के अंतर और उद्यमशीलता यात्रा में उनकी प्रासंगिकता को समझाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स को अपने व्यवसाय मॉडल और निवेशकों से संपर्क करने के दृष्टिकोण के लिए अच्छी तरह से तैयार होना चाहिए। सत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रभावी पिचिंग रणनीतियों पर केंद्रित था, जिसमें मुख्य वक्ता श्री दुबे ने स्पष्ट, संक्षिप्त और प्रेरक पिच की आवश्यकता पर जोर दिया, जो ठोस डेटा और बाजार की गहन समझ से समर्थित हो। उन्होंने निवेश प्रक्रिया के चरणों का भी विस्तृत वर्णन किया, जिसमें निवेशकों से प्रारंभिक संपर्क से लेकर अंतिम समझौते तक की प्रक्रिया शामिल थी।

सत्र की शुरूआत में ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक के.के. बंसल द्वारा विषय की परिचयात्मक जानकारी उपलब्ध कराई गई। श्री बंसल ने वर्तमान निवेश परिदृश्य का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए प्रारंभिक चरण के वित्तपोषण के महत्व को भी रेखांकित किया। आईआईसी के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने सभी का स्वागत किया एवं नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर देते हुए प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आईआईसी के संयोजक डॉ. अतानु नाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सत्र का समापन हुआ, साथ ही उन्होंने बहुमूल्य अंतर्दृष्टियों हेतु मुख्य वक्ता श्री दुबे की सराहना भी की। उन्होंने यह भी बताया कि इस सत्र के दौरान प्रतिभागियों को वित्तपोषण परिदृश्य की व्यापक समझ प्रदान करने के साथ ही उन्हें प्रारंभिक चरण के उद्यमियों के रूप में निवेश के अवसरों का पीछा करने के लिए आवश्यक ज्ञान और आत्मविश्वास से लैस किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट ऑफिसर आशीष अग्रवाल ने किया। इस दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों और विभागों के 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाए जाने के तहत हुआ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाए जाने के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिनमें स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज की ओर से एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व राष्ट्रपति एवं भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक आदर्श शिक्षक भी थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने कहा कि शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें संस्कारवान भी बनाना चाहिए, ताकि हमारे विद्यार्थी अपने समक्ष आने वाली सभी चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके। प्रो. आर्य ने यह भी कहा कि गुरु के बिना सफलता की कल्पना नहीं भी की जा सकती है। इस दौरान कई अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। निबंध लेखन प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीए–बीएड, द्वितीय वर्ष के छात्र रजत चैहान प्रथम, बी.टेक, सीएस, द्वितीय वर्ष की छात्रा भूमिका अग्रवाल द्वितीय, बीए–बीएड, द्वितीय वर्ष की छात्रा परिमीता सिंह चैहान तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि बीए–बीएड, तृतीय वर्ष की छात्रा महक शर्मा एवं महविश को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मोहित मिश्रा व अंग्रेजी विभाग की डॉ. सारिका दुबे निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। विजेता प्रतिभागियों को निदेशक प्रो. आर्य ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के श्री पुलकित शर्मा, भूगोल विभाग के राहुल शर्मा, सह समन्वयक व शिक्षा विभाग की डॉ. निकिता यादव एवं डॉ. लक्ष्मी मिश्रा ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में डॉ. निकिता यादव एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आशुतोष शर्मा की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विभिन विभागों के विभागाध्यक्ष व शिक्षकगणों समेत 50 से अधिक उपस्थित रहे।

वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में स्टूडेन्ट डेवलपमेंट सेल की ओर से भी शिक्षक दिवस अत्यंत ही उत्साह के साथ मनाया गया। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने शिक्षाविद्डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को याद करते हुए शिक्षक दिवस के सम्बन्ध में अपने विचार भी व्यक्त किये। कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की गई, जिनमें मधुर गायन और सुंदर नृत्य से लेकर भावपूर्ण कविता पाठ शामिल रहे। इसके अतिरिक्त म्यूजिकल चेयर और पासिंग द पार्सल जैसे इंटरैक्टिव और मजेदार गेम्स ने उत्सव के माहौल को और भी बेहतर बना दिया। बिजनेस मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव, होटल मैनेजमेंट विभाग से डॉ. मेघा भाटिया, वाणिज्य विभाग से डॉ. आशीष कुमार सक्सेना और प्रो. हिमांशु गुप्ता ने विद्यार्थियों के असाधारण प्रयासों के लिए उनकी सराहना करते हुए शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के शिक्षकगणों समेत 150 से अधिक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में शिक्षक दिवस मनाए जाने के तहत हुआ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाए जाने के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिनमें स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड मैनिटीज की ओर से एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व राष्ट्रपति एवं भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक आदर्श शिक्षक भी थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने कहा कि शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें संस्कारवान भी बनाना चाहिए, ताकि हमारे विद्यार्थी अपने समक्ष आने वाली सभी चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके। प्रो. आर्य ने यह भी कहा कि गुरु के बिना सफलता की कल्पना नहीं भी की जा सकती है। इस दौरान कई अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। निबंध लेखन प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीए-बीएड, द्वितीय वर्ष के छात्र रजत चौहान प्रथम, बी.टेक, सीएस, द्वितीय वर्ष की छात्रा भूमिका अग्रवाल द्वितीय, बीए-बीएड, द्वितीय वर्ष की छात्रा परिमीता सिंह चौहान तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि बीए-बीएड, तृतीय वर्ष की छात्रा महक शर्मा एवं महविश को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मोहित मिश्रा व अंग्रेजी विभाग की डॉ. सारिका दुबे निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। विजेता प्रतिभागियों को निदेशक प्रो. आर्य ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के पुलकित शर्मा, भूगोल विभाग के राहुल शर्मा, सह समन्वयक व शिक्षा विभाग की डॉ. निकिता यादव एवं डॉ. लक्ष्मी मिश्रा ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में डॉ. निकिता यादव एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आशुतोष शर्मा की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विभिन विभागों के विभागाध्यक्ष व शिक्षकगणों समेत 50 से अधिक उपस्थित रहे। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में स्टूडेन्ट डेवलपमेंट सेल की ओर से भी शिक्षक दिवस अत्यंत ही उत्साह के साथ मनाया गया। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को याद करते हुए शिक्षक दिवस के सम्बन्ध में अपने विचार भी व्यक्त किये। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की गईं, जिनमें मधुर गायन और सुंदर नृत्य से लेकर भावपूर्ण कविता पाठ शामिल रहे। इसके अतिरिक्त म्यूजिकल चेयर और पासिंग द पार्सल जैसे इंटरैक्टिव और मजेदार गेम्स ने उत्सव के माहौल को और भी बेहतर बना दिया।

बिजनेस मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव, होटल मैनेजमेंट विभाग से डॉ. मेघा भाटिया, वाणिज्य विभाग से डॉ. आशीष कुमार सक्सेना और प्रो. हिमांशु गुप्ता ने विद्यार्थियों के असाधारण प्रयासों के लिए उनकी सराहना करते हुए शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के शिक्षकगणों समेत 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एण्ड रिकॉग्निशन सेरेमनी का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रिसर्च सेल की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एंड रिकॉग्निशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलाधिपति कोठीवाल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के परिदृश्य में शिक्षक विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें संस्कारवान भी बनाएं। श्रीमती कोठीवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएं भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रही हैं। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने भी सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन राष्ट्रपति होने के साथ-साथ एक आदर्श शिक्षक भी थे, वे हम सभी के लिए वे आज भी प्रेरणाश्रोत हैं। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थी की सारी बागडोर शिक्षक के हाथ में होती है, इसलिए शिक्षक विद्यार्थी को ऊंचाई के शिखर पर पहुंचा सकता है। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि गुरु का आशीर्वाद पाने के लिए शिष्य को अपने अंदर विनयशीलता लाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं, क्योंकि उत्कृष्ट शिक्षण प्राप्त विद्यार्थी ही शिक्षण संस्थान और अपने परिजनों का नाम रोशन करते हैं। इस अवसर पर रिसर्च सेल के डीन प्रो. सुशील कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. कमलेश कुमार यादव को इनोवेशन एंड क्रिएशन कंट्रीब्यूशन अवार्ड, डॉ. महावीर सिंह, सुश्री पुरोबी बनर्जी को करियर अचीवमेंट अवार्ड, डॉ. अर्कजा सिंह, डॉ. मोहित मिश्रा को एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड, डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल, डॉ. विनीत सिंह को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड, डॉ. विकास कुमार को बेस्ट यंग फैकल्टी अवार्ड, डॉ. जसविंदर कौर को बेस्ट पब्लिकेशन अवार्ड, डॉ. जितेंद्र पाल सिंह को यंग रिसर्चर अवार्ड, श्री अनुप्रास रजत, श्री विवेकानंद, मुनेंद्र कुमार, सुश्री रमनदीप कौर, श्री मयंक भारद्वाज को सर्टिफिकेट ऑफ अप्रेशिएशन अवार्ड, डॉ. शिल्पी पाल, श्री कपिल गिल को टीचर्स अप्रेशिएशन अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय में श्रेष्ठ योगदान देने वाले उक्त शिक्षकों को कुलाधिपति श्री कोठीवाल, श्रीमती कोठीवाल एवं कुलपति प्रो. पाण्डेय ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने सभी शिक्षकों को अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने समस्त अवार्ड प्राप्तकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के एक्टिविटी क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने किया। प्रतिकुलपति प्रो. त्रिवेदी ने सभी अतिथियों व सम्मानित शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष समेत भारी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

● आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर

'टीचर्स अवार्ड एण्ड रिकॉग्निशन सेरेमनी' का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व. विद्यालय में रिसर्च सेल की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर ''टीचर्स अवार्ड एंड रिकॉग्निशन सेरेमनी'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के परिदृश्य में शिक्षक विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें संस्कारवान भी बनाएं। श्रीमती कोठीवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएं भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रही हैं। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने भी सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन राष्ट्रपति होने के साथ-साथ एक आदर्श शिक्षक भी थे, वे हम सभी के लिए वे आज भी प्रेरणाश्रोत हैं। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थी की सारी बागडोर शिक्षक के हाथ में होती है, इसलिए शिक्षक विद्यार्थी को ऊंचाई के शिखर पर पहुंचा सकता है। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि गुरु का आशीर्वाद पाने के लिए शिष्य को अपने अंदर विनयशीलता लाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं, क्योंकि उत्कृष्ट शिक्षण प्राप्त विद्यार्थी ही शिक्षण संस्थान और अपने परिजनों का नाम रोशन करते हैं। इस अवसर पर रिसर्च सेल के डीन प्रो. सुशील कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. कमलेश कुमार यादव को इनोवेशन एंड क्रिएशन कंट्रीब्यूशन अवार्ड, डॉ. महावीर सिंह, सुश्री पुरोबी बनर्जी को करियर अचीवमेंट अवार्ड, डॉ. अर्कजा सिंह, डॉ. मोहित मिश्रा को एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड, डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल, डॉ. त्रिनीत सिंह को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड, डॉ. विकास कुमार को बेस्ट यंग फैकल्टी अवार्ड, डॉ. जसविंदर कौर को बेस्ट पब्लिकेशन अवार्ड, डॉ. जितेंद्र पाल सिंह को यंग रिसर्चर अवार्ड, अनुप्रास रजत, विवेकानंद, मुनेंद्र कुमार, सुश्री रमनदीप कौर, मयंक भारद्वाज को सर्टिफिकेट ऑफ अप्रेशिएशन अवार्ड, डॉ. शिल्पी पाल, कपिल गिल को टीचर्स अप्रेशिएशन अवार्ड से नवाजा गया। विश्व विद्यालय में श्रेष्ठ योगदान देने वाले उक्त शिक्षकों को कुलाधिपति कोठीवाल, श्रीमती कोठीवाल एवं कुलपति प्रो. पाण्डेय ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने सभी शिक्षकों को अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने समस्त अवार्ड प्राप्तकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम का संचालन विश्व विद्यालय के एक्टिविटी क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने किया। प्रतिकुलपति प्रो. त्रिवेदी ने सभी अतिथियों व सम्मानित शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष समेत भारी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एण्ड रिकॉग्निशन सेरेमनी का हुआ आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रिसर्च सेल की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एंड रिकॉग्निशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल एवं विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के परिदृश्य में शिक्षक विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें संस्कारवान भी बनाएं। श्रीमती कोठीवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएं भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रही हैं। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने भी सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन राष्ट्रपति होने के साथ-साथ एक आदर्श शिक्षक भी थे, वे हम सभी के लिए वे आज भी प्रेरणाश्रोत हैं। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थी की सारी बागडोर शिक्षक के हाथ में होती है, इसलिए शिक्षक विद्यार्थी को ऊंचाई के शिखर पर पहुंचा सकता है। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि गुरु का आशीर्वाद पाने के लिए शिष्य को अपने अंदर विनयशीलता लाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं, क्योंकि उत्कृष्ट शिक्षण प्राप्त विद्यार्थी ही शिक्षण संस्थान और अपने परिजनों का नाम रोशन करते हैं।

इस अवसर पर रिसर्च सेल के डीन प्रो. सुशील कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. कमलेश कुमार यादव को इनोवेशन एंड क्रिएशन कंट्रीब्यूशन अवार्ड, डॉ. महावीर सिंह, सुश्री पुरोबी बनर्जी को करियर अचीवमेंट अवार्ड, डॉ. अर्कजा सिंह, डॉ. मोहित मिश्रा को एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड, डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल, डॉ. विनीत सिंह को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड, डॉ. विकास कुमार को बेस्ट यंग फैकल्टी अवार्ड, डॉ. जसविंदर कौर को बेस्ट पब्लिकेशन अवार्ड, डॉ. जितेंद्र पाल सिंह को यंग रिसर्चर अवार्ड, अनुप्रास रजत, विवेकानंद, मुनेंद्र कुमार, रमनदीप कौर, मयंक भारद्वाज को सर्टिफिकेट ऑफ अप्रेशिएशन अवार्ड, डॉ. शिल्पी पाल, श्री कपिल गिल को टीचर्स अप्रेशिएशन अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय में श्रेष्ठ योगदान देने वाले उक्त शिक्षकों को कुलाधिपति श्री कोठीवाल, कोठीवाल एवं कुलपति प्रो. पाण्डेय ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने सभी शिक्षकों को अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने समस्त अवार्ड प्राप्तकताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के एक्टिविटी क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने किया। प्रतिकुलपति प्रो. त्रिवेदी ने सभी अतिथियों व सम्मानित शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष समेत भारी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे। वि

4 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 6 सितंबर, 2024

आइएफटीएम में शिक्षक दिवस मनाया : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में रिसर्च सेल की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एंड रिकाग्निशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल और कार्यकारिणी की सदस्य मंजू कोठीवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए। कुलाधिपति ने कहा कि आज के परिदृश्य में शिक्षक विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के साथ संस्कारवान भी बनाएं। रिसर्च सेल के डीन प्रो. सुशील कुमार, डा. प्रशांत उपाध्याय, डा. कमलेश कुमार यादव, डा. महावीर सिंह, पुरोबी बनर्जी, डा. अर्कजा सिंह आदि रहे।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शुक्रवार, 6 सितंबर 2024 04

छात्रों को संस्कारवान बनाएं शिक्षक : राजीव

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रिसर्च सेल की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर 'टीचर्स अवार्ड एंड रिकॉग्निशन सेरेमनी' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं मंजू कोठीवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के परिदृश्य में विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के साथ-साथ शिक्षक उन्हें संस्कारवान भी बनाएं। मंजू कोठीवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएं भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रही हैं। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने भी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रिसर्च सेल के डीन प्रो. सुशील कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. कमलेश कुमार यादव को इनोवेशन एंड क्रिएशन कंट्रीब्यूशन अवार्ड, डॉ. महावीर सिंह, पुरोबी बनर्जी को करियर अचीवमेंट अवार्ड, डॉ. अर्कजा सिंह को सर्टिफिकेट ऑफ अप्रेशिएशन अवार्ड, डॉ. शिल्पी पाल, कपिल गिल को टीचर्स अप्रेशिएशन अवार्ड से नवाजा गया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने सभी शिक्षकों को अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | शुक्रवार, 6 सितंबर 2024
7

शिक्षकों को टीचर्स अवार्ड से किया गया सम्मानित

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर टीचर्स अवार्ड एंड रिकॉग्निशन सेरमनी का आयोजन किया। इसमें डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. कमलेश कुमार यादव को इनोवेशन एंड क्रिएशन कंट्रीब्यूशन अवार्ड, डॉ. महावीर सिंह, पुरोबी बनर्जी को करियर अचीवमेंट अवार्ड, डॉ. अर्कजा सिंह, डॉ. मोहित मिश्रा को एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड, डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल, डॉ. विनीत सिंह को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड, डॉ. विकास कुमार को बेस्ट यंग फैकल्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं डॉ. जसविंदर कौर को बेस्ट पब्लिकेशन अवार्ड, डॉ. जितेंद्र पाल सिंह को यंग रिसर्चर अवार्ड से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य मंजू कोठीवाल ने सभी शिक्षकों को बधाई दी। संवाद

आईएफटीआईएम में शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एण्ड रिकॉग्निशन सेरेमनी का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रिसर्च सेल की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर टीचर्स अवार्ड एंड रिकॉग्निशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल एवं विश्वविद्यालय कार्यकारिणी की सम्मानित सदस्या श्रीमती मंजू कोठीवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलाधिपति कोठीवाल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के परिदृश्य में शिक्षक विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें संस्कारवान भी बनाएं। श्रीमती कोठीवाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएं भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रही हैं। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने भी सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. राधाकृष्णन राष्ट्रपति होने के साथ-साथ एक आदर्श शिक्षक भी थे, वे हम सभी के लिए वे आज भी प्रेरणाश्रोत हैं। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थी की सारी बागडोर शिक्षक के हाथ में होती है, इसलिए शिक्षक विद्यार्थी को ऊंचाई के शिखर पर पहुंचा सकता है। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि गुरु का आशीर्वाद पाने के लिए शिष्य को अपने अंदर विनयशीलता लाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं, क्योंकि उत्कृष्ट शिक्षण प्राप्त विद्यार्थी ही शिक्षण संस्थान और अपने परिजनों का नाम रोशन करते हैं। इस अवसर पर रिसर्च सेल के डीन प्रो. सुशील कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि डॉ. प्रशांत उपाध्याय, डॉ. कमलेश कुमार यादव को इनोवेशन एंड क्रिएशन कंट्रीब्यूशन अवार्ड, डॉ. महावीर सिंह, सुश्री पुरोबी बनर्जी को करियर अचीवमेंट अवार्ड, डॉ. अर्कजा सिंह, डॉ. मोहित मिश्रा को एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड, डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल, डॉ. विनीत सिंह को रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड, डॉ. विकास कुमार को बेस्ट यंग फैकल्टी अवार्ड, डॉ. जसविंदर कौर को बेस्ट पब्लिकेशन अवार्ड, डॉ. जितेंद्र पाल सिंह को यंग रिसर्चर अवार्ड, श्री अनुप्रास रजत, श्री विवेकानंद, मुनेंद्र कुमार, सुश्री रमनदीप कौर, श्री मयंक भारद्वाज को सर्टिफिकेट ऑफ अप्रेशिएशन अवार्ड, डॉ. शिल्पी पाल, श्री कपिल गिल को टीचर्स अप्रेशिएशन अवार्ड से नवाजा गया। विश्वविद्यालय में श्रेष्ठ योगदान देने वाले उक्त शिक्षकों को कुलाधिपति श्री कोठीवाल, श्रीमती कोठीवाल एवं कुलपति प्रो. पाण्डेय ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने सभी शिक्षकों को अपना श्रेष्ठ योगदान देने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने समस्त अवार्ड प्राप्तकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के एक्टिविटी क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय ने किया। प्रतिकुलपति प्रो. त्रिवेदी ने सभी अतिथियों व सम्मानित शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष समेत भारी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शनिवार, 7 सितंबर 2024 07

आईएफटीएम में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में मौजूद शिक्षकगण।

शिक्षक दिवस पर दीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर संजीव अग्रवाल ने छात्रों को संबोधित किया। प्रोफेसर मोहन लाल आर्य, जनसंचार विभाग के पुलकित शर्मा मौजूद रहे।

पोषण और संतुलित आहार का करना चाहिए सेवन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय पोषण दिवस 2024 के तहत मौखिक और पोस्टर की प्रतियोगिता आयोजित की गई। कुलसचिव प्रोफेसर संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बीके सिंह और गणित विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वीपी पांडे ने शुभारंभ किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 के अंतर्गत मौखिक और पोस्टर प्रेजेंटेशन का हुआ आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 मनाए जाने के तहत सभी के लिए पौष्टिक आहार विषय पर मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह और गणित विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वी.पी. पांडे ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पोषण तथा संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक करना रहा। उन्होंने बताया कि उचित पोषण ऊर्जा के स्तर के साथ ही स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होता है। उन्होंने यह भी बताया कि उचित आहार शारीरिक बीमारियों जैसे कि हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह आदि अनेक रोगों से रक्षा करके व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करता है। डॉ. वी.पी. पांडे ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीए-बीएड, तृतीय सेमेस्टर के छात्र रजत चैधरी को प्रथम पुरस्कार, बीएससी जेडबीसी तृतीय सेमेस्टर की दानिया को द्वितीय और बीएससीबीएड तृतीय सेमेस्टर की सुश्री ओजस्वी को मौखिक प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं पोस्टर प्रस्तुति के लिए बी.एससी., जेडबीसी, पंचम सेमेस्टर की छात्रा अरीबा नाज को प्रथम पुरस्कार, बीए-बीएड, तृतीय सेमेस्टर की छात्रा हर्षिता यादव को द्वितीय एवं बी.एससी., जेडबीसी पंचम सेमेस्टर की छात्रा हिना परवीन और दिव्या शुक्ला को तृतीय पुरस्कार मिला। स्कूल ऑफ साइंस के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह समेत डॉ. अशोक कुमार, डॉ. रिद्धि गर्ग एवं डॉ. तृप्ति पांडे ने मौखिक प्रस्तुति तथा पोस्टर प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वाले उक्त छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन कर उन्हें पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम का संचालन जन्तु विज्ञान विभाग के डॉ. विवेक कुमार ने किया। कार्यक्रम के अंत में सह संयोजक डॉ. अंशुल श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति, सुश्री संध्या शर्मा, डॉ. अंशुल श्रीवास्तव, डॉ. सूर्य प्रकाश पांडे एवं डॉ. सुधा मठपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस कार्यक्रम में कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें मौखिक प्रतियोगिता में 09 एवं पोस्टर प्रतियोगिता में 20 विद्यार्थी शामिल हुए। वि0

आईएफटीएम में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 के अंतर्गत मौखिक और पोस्टर प्रेजेंटेशन का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 मनाए जाने के तहत सभी के लिए पौष्टिक आहार विषय पर मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह और गणित विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वी.पी. पांडे ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पोषण तथा संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक करना रहा। उन्होंने बताया कि उचित पोषण ऊर्जा के स्तर के साथ ही स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होता है। उन्होंने यह भी बताया कि उचित आहार शारीरिक बीमारियों जैसे कि हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह आदि अनेक रोगों से रक्षा करके व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करता है।

डॉ. वी.पी. पांडे ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीए-बीएड, तृतीय सेमेस्टर के छात्र रजत चौधरी को प्रथम पुरस्कार, बीएससी जेडबीसी तृतीय सेमेस्टर की दानिया को द्वितीय और बीएससीबीएड तृतीय सेमेस्टर की सुश्री ओजस्वी को मौखिक प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं पोस्टर प्रस्तुति के लिए बी.एससी., जेडबीसी, पंचम सेमेस्टर की छात्रा अरीबा नाज को प्रथम पुरस्कार, बीए-बीएड, तृतीय सेमेस्टर की छात्रा हर्षिता यादव को द्वितीय एवं बी.एससी., जेडबीसी पंचम सेमेस्टर की छात्रा हिना परवीन और दिव्या शुक्ला को तृतीय पुरस्कार मिला। स्कूल ऑफ साइंस के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह समेत डॉ. अशोक कुमार, डॉ. रिद्धि गर्ग एवं डॉ. तृप्ति पांडे ने मौखिक प्रस्तुति तथा पोस्टर प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वाले उक्त छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन कर उन्हें पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम का संचालन जन्तु विज्ञान विभाग के डॉ. विवेक कुमार ने किया।

कार्यक्रम के अंत में सह संयोजक डॉ. अंशुल श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति, सुश्री संध्या शर्मा, डॉ. अंशुल श्रीवास्तव, डॉ. सूर्य प्रकाश पांडे एवं डॉ. सुधा मठपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस कार्यक्रम में कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें मौखिक प्रतियोगिता में 09 एवं पोस्टर प्रतियोगिता में 20 विद्यार्थी शामिल हुए।

आईएफटीएम में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 के अंतर्गत मौखिक और पोस्टर प्रेजेंटेशन का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ साइंसेज के जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 मनाए जाने के तहत सभी के लिए पौष्टिक आहार विषय पर मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह और गणित विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वी.पी. पांडे ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पोषण तथा संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक करना रहा। उन्होंने बताया कि उचित पोषण ऊर्जा के स्तर के साथ ही स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होता है। उन्होंने यह भी बताया कि उचित आहार शारीरिक बीमारियों जैसे कि हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह आदि अनेक रोगों से रक्षा करके व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करता है।

डॉ. वी.पी. पांडे ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीए-बीएड, तृतीय सेमेस्टर के छात्र रजत चौधरी को प्रथम पुरस्कार, बीएससी जेडबीसी तृतीय सेमेस्टर की दानिया को द्वितीय और बीएससीबीएड तृतीय सेमेस्टर की सुश्री ओजस्वी को मौखिक प्रस्तुति में तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं पोस्टर प्रस्तुति के लिए बी.एससी., जेडबीसी, पंचम सेमेस्टर की छात्रा अरीबा नाज को प्रथम पुरस्कार, बीए-बीएड, तृतीय सेमेस्टर की छात्रा हर्षिता यादव को द्वितीय एवं बी.एससी., जेडबीसी पंचम सेमेस्टर की छात्रा हिना परवीन और दिव्या शुक्ला को तृतीय पुरस्कार मिला। स्कूल ऑफ साइंस के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह समेत डॉ. अशोक कुमार, डॉ. रिद्धि गर्ग एवं डॉ. तृप्ति पांडे ने मौखिक प्रस्तुति तथा पोस्टर प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वाले उक्त छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन कर उन्हें पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम का संचालन जन्तु विज्ञान विभाग के डॉ. विवेक कुमार ने किया।

कार्यक्रम के अंत में सह संयोजक डॉ. अंशुल श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. स्मिता ज्योति, सुश्री संध्या शर्मा, डॉ. अंशुल श्रीवास्तव, डॉ. सूर्य प्रकाश पांडे एवं डॉ. सुधा मठपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस कार्यक्रम में कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें मौखिक प्रतियोगिता में 09 एवं पोस्टर प्रतियोगिता में 20 विद्यार्थी शामिल हुए।

6 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 7 सितंबर, 2024

निबंध प्रतियोगिता में रजत ने मारी बाजी

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूल आफ एजुकेशन एंड ह्यूमिनिटीज की ओर से एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

बीए-बीएड, द्वितीय वर्ष के छात्र रजत चौहान प्रथम, बीटेक, सीएस, द्वितीय वर्ष की छात्रा भूमिका अग्रवाल द्वितीय, बीए बीएड, द्वितीय वर्ष की छात्रा परमिता सिंह चौहान तृतीय स्थान पर रहीं। जबकि बीए-बीएड, तृतीय वर्ष की छात्रा महक शर्मा और महविश को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. मोहित मिश्रा, अंग्रेजी विभाग की डा. सारिका दुबे निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के पुलकित शर्मा, भूगोल विभाग के राहुल शर्मा आदि ने किया। स्कूल आफ बिजनेस मैनेजमेंट में स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से भी शिक्षक दिवस अत्यंत ही उत्साह के साथ मनाया गया। बिजनेस मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार यादव, होटल मैनेजमेंट विभाग से डा. मेघा भाटिया, वाणिज्य से डा. आशीष कुमार सक्सेना रहे।

आईएफटीएम में मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 का हुआ सफल समापन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज में गृह विज्ञान विभाग द्वारा सभी के लिए पोषण आहार विषय के अंतर्गत मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागी विद्यार्थियों ने पोस्टर्स के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी छात्राओं से आहार एवं पोषण विज्ञान सम्बन्धी प्रश्न पूछे गये। तीसरे दिन भोजन बनाने की विधियों पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन बनाकर उनका प्रदर्शन कर यह संदेश दिया कि हमारे जीवन में एक पौष्टिक थाली की क्या महत्ता है। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों नें ग्राम गिंदौड़ा के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को संतुलित आहार एवं खाद्य पदार्थों के बारे में बताया तथा चार्ट एवं पोस्टर्स के माध्यम से गांव में रैली निकालकर ग्रामवासियों को आहार की महत्ता के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के प्रतिभागी विद्यार्थियों तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आयोजकों को अपनी शुभकामनायें दीं। इस मौके पर स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने हमारी जिंदगी में सही पोषण का महत्त्व बताया। साथ ही उन्होंने पोषक तत्वों को अपनी डाइट में शामिल करना सेहत के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार, श्रीमती रुचि चैधरी ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम के विषय पर अपने विचार साझा किये तथा सभी के लिए पोषण आहार का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एस.सी., गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा तूबा असद प्रथम स्थान पर, एम.एस.सी., गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा स्तुति वर्मा द्वितीय स्थान पर तथा बी.एस.सी. गृह विज्ञान, द्वितीय वर्ष की छात्रा वजीहा फातिमा तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं बी.एस.सी., गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्राओं उम्मेहानी व हर्षिता को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यक्रम संयोजिका डॉ. तृप्ति पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर व सह-संयोजिका मिस पायल सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर व कार्यक्रम सचिव श्रीमती रूचि चौधरी की विशेष भूमिका रही।

दैनिक जागरण मुरादाबाद, 12 सितंबर, 2024

रैली निकालकर बताया आहार का महत्व

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल आफ साइंसेज में गृह विज्ञान विभाग की ओर से चल रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का बुधवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के पहले दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई थी। प्रतिभागियों ने पोस्टर्स के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन आनलाइन क्विज हुई थी। तीसरे दिन भोजन बनाने की विधियों पर आधारित प्रतियोगिता हुई। प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन बनाकर उनका प्रदर्शन कर संदेश दिया। अंतिम दिन प्रतिभागियों ने ग्राम गिंदौड़ा के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को संतुलित आहार एवं खाद्य पदार्थों के बारे में बताया। चार्ट एवं पोस्टर्स के माध्यम से गांव में रैली निकालकर ग्रामवासियों को आहार की महत्ता बताई गई। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. बीके सिंह, प्रो. डा. अशोक कुमार, रुचि चौधरी. डा. तृप्ति पाण्डेय, पायल सिंह आदि मौजूद रहीं।

आईएफटीएम में मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 का हुआ समापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज में गृह विज्ञान विभाग द्वारा "सभी के लिए पोषण आहार" विषय के अंतर्गत मनाए जा रहे "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024" सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन "पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागी विद्यार्थियों ने पोस्टर्स के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन एक 'ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता' आयोजित हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी छात्राओं से आहार एवं पोषण विज्ञान सम्बन्धी प्रश्न पूछे गये। तीसरे दिन "भोजन बनाने की विधियों पर आधारित प्रतियोगिता" का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न

प्रकार के पौष्टिक व्यंजन बनाकर उनका प्रदर्शन कर यह संदेश दिया कि हमारे जीवन में एक पौष्टिक थाली की क्या महत्ता है। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों नें ग्राम गिंदौड़ा के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को संतुलित आहार एवं खाद्य पदार्थों के बारे में बताया तथा चार्ट एवं पोस्टर्स के माध्यम से गांव में रैली निकालकर ग्रामवासियों को आहार की महत्ता के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के प्रतिभागी विद्यार्थियों तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आयोजकों को अपनी शुभकामनायें दीं। इस मौके पर स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने हमारी जिंदगी में सही पोषण का महत्त्व बताया। साथ ही उन्होंने पोषक तत्वों को अपनी डाइट में शामिल करना सेहत के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार, श्रीमती रुचि चौधरी ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम के विषय पर अपने विचार साझा किये तथा सभी के लिए पोषण आहार का संदेश दिया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एस.सी. , गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा तूबा असद प्रथम स्थान पर, एम.एस.सी., गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा स्तुति वर्मा द्वितीय स्थान पर तथा बी.एस.सी. गृह विज्ञान, द्वितीय वर्ष की छात्रा वजीहा फातिमा तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं बी.एस.सी., गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्राओं उम्मेहानी व हर्षिता को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यक्रम संयोजिका डॉ. तृप्ति पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर व सह-संयोजिका मिस पायल सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर व कार्यक्रम सचिव श्रीमती रूचि चौधरी की विशेष भूमिका रही।

खोया-पाया सूचना

मेरा इण्टरमीडिएट मुख्य/पूरक अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वर्ष 1979 अनुक्रमांक 112691 का प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है।

अनिल कुमार त्यागी पुत्र स्व. श्री ओमदत्त त्यागी निवासी सी 81, ग्राउण्ड फ्लोर स्वर्ण जयंतीपुरम गाजियाबाद।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 का हुआ सफल समापन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज में गृह विज्ञान विभाग द्वारा सभी के लिए पोषण आहार विषय के अंतर्गत मनाए जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2024 सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागी विद्यार्थियों ने पोस्टर्स के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी छात्राओं से आहार एवं पोषण विज्ञान सम्बन्धी प्रश्न पूछे गये। तीसरे दिन भोजन बनाने की विधियों पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन बनाकर उनका प्रदर्शन कर यह संदेश दिया कि हमारे जीवन में एक पौष्टिक थाली की क्या महत्ता है। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों नें ग्राम गिंदौड़ा के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को संतुलित आहार एवं खाद्य पदार्थों के बारे में बताया तथा चार्ट एवं पोस्टर्स के माध्यम से गांव में रैली निकालकर ग्रामवासियों को आहार की महत्ता के बारे में जागरूक किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के प्रतिभागी विद्यार्थियों तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आयोजकों को अपनी शुभकामनायें दीं। इस मौके पर स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने हमारी जिंदगी में सही पोषण का महत्त्व बताया। साथ ही उन्होंने पोषक तत्वों को अपनी डाइट में शामिल करना सेहत के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार, श्रीमती रुचि चैधरी ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम के विषय पर अपने विचार साझा किये तथा सभी के लिए पोषण आहार का संदेश दिया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एस.सी., गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा तूबा असद प्रथम स्थान पर, एम.एस.सी., गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्रा स्तुति वर्मा द्वितीय स्थान पर तथा बी.एस.सी. गृह

विज्ञान, द्वितीय वर्ष की छात्रा वजीहा फातिमा तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं बी.एस.सी., गृह विज्ञान द्वितीय वर्ष की छात्राओं उम्मेहानी व हर्षिता को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा व कार्यक्रम संयोजिका डॉ. तृप्ति पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर व सह-संयोजिका मिस पायल सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर व कार्यक्रम सचिव रूचि चैधरी की विशेष भूमिका रही।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'मशरूम कल्टीवेशन एण्ड प्रोडक्शन ऑफ वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स' विषय पर चल रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ सफल समापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एण्ड इंजीनियरिंग तथा रूद्रपुर, उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड की 'रईयत इकोफॉर्म प्रा0 लिमिटेड' "फॉर्म गुरु" के संयुक्त तत्वावधान में "मशरूम कल्टीवेशन एण्ड प्रोडक्शन ऑफ वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स" विषय पर चल रहा 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन हेतु आयोजन समिति के सभी सदस्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थी कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के प्रति निरन्तर सजग रहते हुए कृषि उत्पादों की मार्कीटिंग के बारे में जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कृषि उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी कौशल क्षमता बढ़ाकर जॉब सीकर की बजाय जॉब क्रिएटर बने। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों यह सलाह भी दी कि वे विश्वविद्यालय में संचालित इंक्यूबेटर सेंटर की सहायता से अपने बिजनेस आइडियाज को साकार करें। स्कूल के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि 15 दिनों तक चला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभकारी रहा। इस दौरान विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों द्वारा मशरूम उत्पादन, बीज उत्पादन, रखरखाव, विपणन आदि की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन से आय में वृद्धि की जा सकती है। प्रो. सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एण्ड इंजीनियरिंग के 58 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। स्कूल के सीनियर प्रोफेसर डॉ. वाई.वी. सिंह एवं डॉ. धीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया तथा प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर उनका फीडबैक भी लिया। इसके उपरांत कुलसचिव प्रो. अग्रवाल व अन्य उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रतिभागी विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के समन्वयक व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ए.एन. चौबे तथा 'फॉर्म गुरु' के विशेषज्ञ ने प्रशिक्षण में सम्मिलित विद्यार्थियों के साथ मशरूम उत्पादन की बारीकियों को साझा किया। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान एवं कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल एवं श्री कमल सिंह का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चौबे ने किया तथा स्कूल के निदेशक श्री सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 42 विद्यार्थियों को मिली जॉब

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से बी.टेक., सिविल इंजीनियरिंग के 01 विद्यार्थी का अमरोहा, उ0प्र0 स्थित 'पेनेसिया कालेज ऑफ फैशन डिजाइन", बी.एससी, बायोटैक्नोलॉजी के 01, एम.एससी, बायोटैक्नोलॉजी के 01, बी.फॉर्म. के 01 विद्यार्थी का नई दिल्ली स्थित कम्पनी 'हैल्थ वॉच" एवं बी.टेक., मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 07, बी.टेक., इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 02, डिप्लोमा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 04, डिप्लोमा, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 10 और डिप्लोमा, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 15 विद्यार्थियों का अलवर, राजस्थान स्थित कम्पनी 'डायडो इंडिया प्रा0 लि0" में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक श्री के.के. बंसल ने उक्त कम्पनी के एचआर मैनेजर श्री अमरदीप सिंह, सुश्री अपर्णा शर्मा एवं सुश्री अंजना आहुजा के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी पॉलीटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार एवं स्कूल ऑफ बायोटैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी आशीष अग्रवाल तथा यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक प्रमोद यादव अंकित भारद्वाज, यतेन्द्र सिंह, डॉ. प्रशान्त उपाध्याय, डॉ. विजय कुमार शर्मा, डॉ. आदित्य शर्मा, अंकित अग्रवाल, नदीम अहमद, मुनेन्द्र कुमार, अरविन्द चौधरी, आयुष सक्सेना एवं संजीव कुमार सिंह का योगदान रहा।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद
शुक्रवार
13 सितंबर 2024

02

आईएफटीएम के 42 छात्रों को मिली जॉब

मुरादाबाद। आईएफटीएम के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें 42 छात्रों का कंपनी में चयन हुआ है। इस सफलता पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. तंजील अहमद आदि मौजूद रहे।

कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को लेकर रहें सजग

मुरादाबाद। आईएफटीएम में 15 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि व विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम की सराहना की। स्कूल के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि 15 दिनों तक चला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभकारी रहा। पर डॉ. वाईवी सिंह, डॉ. धीर सिंह, डॉ. एएन चौबे, डॉ. रमेश आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण मुरादाबाद, 13 सितंबर, 2024

जाब सीकर की बजाय जाब क्रिएटर बनें छात्र

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल आफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड इंजीनियरिंग और उत्तराखंड की रइयत इकोफार्म प्रा. लिमिटेड फार्म गुरु की ओर से मशरूम कल्टीवेशन एंड प्रोडक्शन आफ वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स विषय पर चल रहा 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थी कृषि उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी कौशल क्षमता बढ़ाकर जाब सीकर की बजाय जाब क्रिएटर बने। निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विद्यार्थियों के लिए लाभकारी रहा। प्रो. सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में स्कूल आफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड इंजीनियरिंग के 58 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। डा. वाइवी सिंह, डा धीर सिंह, डा. एएन चौबे आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | शुक्रवार, 13 सितंबर 2024
5

आईएफटीईएम विवि के 42 बीटेक एवं डिप्लोमा विद्यार्थियों का चयन

मुरादाबाद (वि)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में बीटेक और डिप्लोमा इंजीनियरिंग के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें विवि के 42 विद्यार्थियों का विभिन्न कंपनियों ने आकर्षक वेतनमान पर चयन किया। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल के निदेशक केके बंसल, कंपनी के एचआर मैनेजर अमरदीप सिंह, अपर्णा शर्मा, अंजना आहुजा का आभार व्यक्त किया। प्लेसमेंट ड्राइव के आयोजन में सीनियर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी आशीष अग्रवाल, प्लेसमेंट समन्वयक प्रमोद यादव, अंकित भारद्वाज आदि का योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के 42 विद्यार्थियों को मिली जॉब

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमैंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से बी.टेक., सिविल इंजीनियरिंग के 01 विद्यार्थी का अमरोहा, उ0प्र0 स्थित पेनेसिया कालेज ऑफ फैशन डिजाइन, बी.एससी, बायोटैक्नोलॉजी के 01, एम.एससी, बायोटैक्नोलॉजी के 01, बी.फॉर्म. के 01 विद्यार्थी का नई दिल्ली स्थित कम्पनी हैल्थ वॉच एवं बी.टेक., मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 07, बी.टेक., इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 02, डिप्लोमा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 04, डिप्लोमा, इलैक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के 10 और डिप्लोमा, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 15 विद्यार्थियों का अलवर, राजस्थान स्थित कम्पनी डायडो इंडिया प्रा0 लि0 में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक के.के. बंसल ने उक्त कम्पनी के एचआर मैनेजर अमरदीप सिंह, सु अपर्णा शर्मा एवं सु अंजना आहुजा के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी पॉलीटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार एवं स्कूल ऑफ बायोटैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. तंजील अहमद ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी आशीष अग्रवाल तथा यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक प्रमोद यादव, अंकित भारद्वाज, यतेन्द्र सिंह, डॉ. प्रशान्त उपाध्याय, डॉ. विजय कुमार शर्मा, डॉ. आदित्य शर्मा, अंकित अग्रवाल, नदीम अहमद, मुनेन्द्र कुमार, अरविन्द चैधरी, आयुष सक्सेना एवं संजीव कुमार सिंह का योगदान रहा। वि0

आईएफटीएम के 16 विद्यार्थियों को मिली जॉब

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमैंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से एमबीए के 01 विद्यार्थी का मुरादाबाद स्थित इंडिया मार्ट लि0 एवं बी.टेक., इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 02, बी.टेक., मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 05, डिप्लोमा, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 05, डिप्लोमा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 03 विद्यार्थियों का मानेसर, गुरूग्राम स्थित कम्पनी सन वैक्युम फॉर्मर्स प्रा0 लि0 में आकर्षक वेतनमान पर चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि आप सभी पूरे मनोयोग से अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें और ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करें।

प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपनी स्किल क्षमता में निरन्तर वृद्धि करते रहें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के निदेशक के.के. बंसल ने उक्त कम्पनी के एचआर मैनेजर सारांश सकेना, अनुज यादव एवं विनायक दुबे के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कुल ऑफ बिजनेस मैनेजमैंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल, यूनिवर्सिटी पॉलीटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने भी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न कराने में सीनियर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट अधिकारी आशीष अग्रवाल तथा यूनिवर्सिटी पॉलीटैक्निक के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. संजय कुमार सिंह, अंकुश सक्सेना, डॉ. अर्चना कटारिया, अंकित अग्रवाल, जावेद, अरविन्द चौधरी, नदीम अहमद, एवं मुनेन्द्र कुमार का योगदान रहा।

दैनिक जागरण
मुरादाबाद, 14 सितंबर, 2024 | 4

आइएफटीएम में अपनी माताओं के साथ पौधारोपण करतीं एनसीसी गर्ल्स कैडेट • सौ . विवि

एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स ने मां के साथ किया पौधारोपण

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय में ९वीं यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी की ओर से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह के अंतर्गत गर्ल्स कैडेट्स ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न पार्कों की सफाई की। फिर माताओं के साथ पौधारोपण किया।

आसमान से गिरती फुहारों के बीच एनसीसी कैडेट्स की माताओं ने पृथ्वी को बचाने की मुहिम आगे बढ़ाते हुए दर्जनों पेड़ लगाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रो. नवनीत वर्मा, प्रो. अरुण कुमार मिश्र, सीएस नागिला ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। एनसीसी इकाई की मेजर प्रो. राजकुमारी सिंह ने बताया कि उक्त कार्यक्रमों में एनसीसी इकाई के कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह व रूचि के साथ बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शनिवार, 14 सितंबर 2024 06

आईवीआरआई का किया भ्रमण

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के बीएससी, द्वितीय वर्ष के 43 विद्यार्थियों के समूह ने भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), बरेली का भ्रमण किया। विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी को शुभकामनाएं दीं। स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस भ्रमण कार्यक्रम के से विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षक भी लाभान्वित हुए।

आईएफटीएम के विद्यार्थियों ने किया भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के बी.एससी, द्वितीय वर्ष के 43 विद्यार्थियों के समूह ने इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) का भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान उक्त संस्थान के परिसर में स्थित कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों के समूह को अपने-अपने विषय के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। विद्यार्थियों ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग, पशुओं की विभिन्न बीमारियों व उनके उपचार एवं पशुओं को चारा खिलाने की विधियों के साथ ही पशु के बच्चे को मां से अलग रखकर पालने की भौतिक प्रक्रिया देखने के साथ ही सम्बन्धित वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की। बायोटेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि जुगनु के जीन किस प्रकार चूहों में ट्रांसफर किए जा सकते हैं। इसके बाद विद्यार्थियों ने म्यूजियम का भ्रमण कर पुरातत्व संग्रह तथा भारत की समकालीन सभ्यता के बारे में वैज्ञानिकों के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

इस अवसर पर स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस भ्रमण कार्यक्रम के आयोजन से विद्यार्थियों के साथ-साथ मार्गदर्शन हेतु उनके साथ गए शिक्षक भी लाभान्वित हुए। इस भ्रमण कार्यक्रम के सफल आयोजन में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुलेखा, श्री कमल सिंह एवं डॉ. विनोद कुमार धनगढ़ का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मशरूम कल्टीवेशन एण्ड प्रोडक्शन ऑफ वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स विषय पर चल रहा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ सफल समापन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एण्ड इंजीनियरिंग तथा रूद्रपुर, उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड की रईयत इकोफॉर्म प्रा0 लिमिटेड फॉर्म गुरु के संयुक्त तत्वावधान में मशरूम कल्टीवेशन एण्ड प्रोडक्शन ऑफ वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स विषय पर चल रहा 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन हेतु आयोजन समिति के सभी सदस्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थी कृषि क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के प्रति निरन्तर सजग रहते हुए कृषि उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कृषि उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी कौशल क्षमता बढ़ाकर जॉब सीकर की बजाय जॉब क्रिएटर बने। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों यह सलाह भी दी कि वे विश्वविद्यालय में संचालित इंक्यूबेटर सेंटर की सहायता से अपने बिजनेस आइडियाज को साकार करें। स्कूल के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि 15 दिनों तक चला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभकारी रहा। इस दौरान विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया। स्कूल के सीनियर प्रोफेसर डॉ. वाई.वी. सिंह एवं डॉ. धीर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में अपना योगदान देने के के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ए.एन. चैबे तथा फॉर्म गुरु के विशेषज्ञ ने प्रशिक्षण में सम्मिलित विद्यार्थियों के साथ मशरूम उत्पादन की बारीकियों को

मशरूम उत्पादन, बीज उत्पादन, रखरखाव, विपणन आदि की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई गई। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन से आय में वृद्धि की जा सकती है।

प्रो. सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एण्ड इंजीनियरिंग के 58 विद्यार्थियों ने लिए प्रेरित किया तथा प्रतिभागियों का मूल्यांकन कर उनका फीडबैक भी लिया। इसके उपरांत कुलसचिव प्रो. अग्रवाल व अन्य उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रतिभागी विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के समन्वयक व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड इंजीनियरिंग साझा किया। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में कृषि विज्ञान एवं कृषि इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल एवं कमल सिंह का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चैबे ने किया तथा स्कूल के निदेशक सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के बी.एससी, द्वितीय वर्ष के 43 विद्यार्थियों के समूह ने इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश स्थित ह्यभारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई)ह्न का भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान उक्त संस्थान के परिसर में स्थित कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों के समूह को अपने-अपने विषय के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। विद्यार्थियों ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग, पशुओं की विभिन्न बीमारियों व उनके उपचार एवं पशुओं को चारा खिलाने की विधियों के साथ ही पशु के बच्चे को मां से अलग रखकर पालने की भौतिक प्रक्रिया देखने के साथ ही सम्बन्धित वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की। बायोटेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि जुगनू के जीन किस प्रकार चूहों में ट्रांसफर किए जा सकते हैं। इसके बाद विद्यार्थियों ने म्यूजियम का भ्रमण कर पुरातत्व संग्रह तथा भारत की समकालीन सभ्यता के बारे में वैज्ञानिकों के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

इस अवसर पर स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस भ्रमण कार्यक्रम के आयोजन से विद्यार्थियों के साथ-साथ मार्गदर्शन हेतु उनके साथ गए शिक्षक भी लाभान्वित हुए। इस भ्रमण कार्यक्रम के सफल आयोजन में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुलेखा, श्री कमल सिंह एवं डॉ. विनोद कुमार धनगढ़ का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 9 यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी की ओर से हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एनसीसी निदेशालय (उत्तर प्रदेश), लखनऊ के आदेश के अनुपालन में 9 यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी की ओर से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रमों के सफल आयोजनों हेतु शुभकामनाएं दीं। स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह मनाए जाने के अंतर्गत चलाए गए ह्यस्वच्छता अभियानह्न में गर्ल्स कैडेट्स ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न पार्कों की सफाई की। वहीं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की एनसीसी कैडेट्स की माताओं को आमंत्रित कर उनसे भी पौधे रोपित कराए गए। आसमान से गिरती फुहारों के बीच एनसीसी कैडेट्स की माताओं ने पृथ्वी को बचाने की इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए दर्जनों पेड़ लगाए। इस दौरान प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र एवं कैंपस इंजीनियर श्री सी.एस. नागिला ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर एनसीसी इकाई की मेजर प्रो. राजकुमारी सिंह ने बताया कि उक्त कार्यक्रमों में एनसीसी इकाई के कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह व रूचि के साथ बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। मेजर डॉ. सिंह ने यह भी कहा कि सभी मिलजुलकर एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं और उनकी देखभाल भी उस प्रकार करें, जैसे मां अपने बच्चे की करती है, ताकि पेड़ हमारे समाज को स्वस्थ रखने में हमारी सहायता कर सकें। कार्यक्रमों के सफल आयोजन में एनसीसी की केयर टेकर व कार्यक्रम संयोजक सुश्री रश्मि पाण्डेय की विशेष भूमिका रही। उक्त कार्यक्रमों के दौरान 25 गर्ल्स कैडेट्स के साथ ही विश्वविद्यालय के कई शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भी योगदान दिया।

● आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया

'भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान' का भ्रमण

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के बी.एससी, द्वितीय वर्ष के 43 विद्यार्थियों के समूह ने इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश स्थित 'भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई)' का भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। भ्रमण कार्यक्रम के दौरान उक्त संस्थान के परिसर में स्थित कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों के समूह को अपने-अपने विषय के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। विद्यार्थियों ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग, पशुओं की विभिन्न बीमारियों व उनके उपचार एवं पशुओं को चारा खिलाने की विधियों के साथ ही पशु के बच्चे को मां से अलग रखकर पालने की भौतिक प्रक्रिया देखने के साथ ही सम्बन्धित वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की। बायोटेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि जुगनु के जीन किस प्रकार

चूहों में ट्रांसफर किए जा सकते हैं। इसके बाद विद्यार्थियों ने म्यूजियम का भ्रमण कर पुरातत्व संग्रह तथा भारत की समकालीन सभ्यता के बारे में वैज्ञानिकों के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस भ्रमण कार्यक्रम के आयोजन से विद्यार्थियों के साथ-साथ मार्गदर्शन हेतु उनके साथ गए शिक्षक भी लाभान्वित हुए। इस भ्रमण कार्यक्रम के सफल आयोजन में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुलेखा, श्री कमल सिंह एवं डॉ. विनोद कुमार धनगढ़ का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 9 यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी की ओर से हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एनसीसी निदेशालय (उत्तर प्रदेश), लखनऊ के आदेश के अनुपालन में 9 यूपी गर्ल्स बटालियन, एनसीसी की ओर से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रमों के सफल आयोजनों हेतु शुभकामनाएं दीं। स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह मनाए जाने के अंतर्गत चलाए गए 'स्वच्छता अभियान' में गर्ल्स कैडेट्स ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न पार्कों की सफाई की। वहीं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय की एनसीसी कैडेट्स की माताओं को आमंत्रित कर उनसे भी पौधे रोपित कराए गए। आसमान से गिरती फुहारों के बीच एनसीसी कैडेट्स की माताओं ने पृथ्वी को बचाने की इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए दर्जनों पेड़ लगाए। इस दौरान प्रतिकुल. पति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र एवं कैंपस इंजीनियर श्री सी.एस. नागिला ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर एनसीसी इकाई की मेजर प्रो. राजकुमारी सिंह ने बताया कि उक्त कार्यक्रमों में एनसीसी इकाई के कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह व रूचि के साथ बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। मेजर डॉ. सिंह ने यह भी कहा कि सभी मिलजुलकर एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाएं और उनकी देखभाल भी उस प्रकार करें, जैसे मां अपने बच्चे की करती है, ताकि पेड़ हमारे समाज को स्वस्थ रखने में हमारी सहायता कर सकें। कार्यक्रमों के सफल आयोजन में एनसीसी की केयर टेकर व कार्यक्रम संयोजक सुश्री रश्मि पाण्डेय की विशेष भूमिका रही। उक्त कार्यक्रमों के दौरान 25 गर्ल्स कैडेट्स के साथ ही विश्वविद्यालय के कई शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने भी योगदान दिया।

मुरादाबाद, 18 सितंबर, 2024 दैनिक जागरण 7

फार्माकोविजिलेंस की दी विस्तृत जानकारी

जासं, मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय में 17 से 23 सितंबर तक चलने वाली राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि डा. सतवीर सिंह चौहान ने प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया की रिपोर्टिंग और रोगी सुरक्षा गुणवत्ता विषय पर विस्तार से समझाया। अध्यक्ष व फार्मेसी संकाय के डीन डा. नवनीत वर्मा ने कहा फार्माकोविजिलेंस ऐसा विषय है, जिसके माध्यम से कुछ दवाइयों से होने वाले साइड इफैक्ट्स की जानकारी प्राप्त की जाती है। यहां मुख्य अतिथि ओनकोकेयर कैंसर हास्पिटल, अमरोहा से आए डा. सतवीर सिंह चौहान, विवि कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल आदि रहे।

अमर उजाला

मुरादाबाद | बुधवार, 18 सितंबर 2024 | 6

वास्तुकारों के संरक्षक हैं विश्वकर्मा : प्रो. अग्रवाल

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की कार्यशाला में भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। विधि-विधान के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में विश्वकर्मा जयंती पर पूजा करते शिक्षक। संवाद

कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र के समक्ष दीप जलाकर व पुष्पार्पण कर पूजा का आरंभ किया। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को ब्रह्मांड के वास्तुकार, शिल्पकार और इंजीनियर हैं।

उन्हें स्वर्ग लोक, पुष्पक विमान, कुबेरपुरी आदि का रचनाकार भी कहा जाता है। भगवान विश्वकर्मा सभी कारीगरों, इंजीनियरों, वास्तुकारों और कारखाने के श्रमिकों के संरक्षक हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि आज भगवान विश्वकर्मा के कौशल और रचनात्मकता का सम्मान करने और समृद्ध भविष्य के लिए उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद लेने का दिन है। कार्यशाला में स्थापित मशीनों एवं यंत्रों समेत कलपुर्जों तथा औजारों का पूजन किया गया। इस दौरान प्रो. निशा अग्रवाल, प्रो. एसबी मिश्रा, प्रो. बीके सिंह, डॉ. वीरेंद्र सिंह, प्रो. मोहन लाल आर्य, डॉ. संजय यादव, प्रो. लोकेश वार्ष्णेय आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम में विधि-विधान के साथ हुई भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की कार्यशाला में गतवर्षों की भाँति इस वर्ष भी भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाने के उपलक्ष्य में पूरे विधि-विधान के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव एवं कैंपस इंजी.

नियर श्री चन्द्रशेखर नागिला ने भी पूरे विधि-विधान के साथ भगवान विश्वकर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर पूजा-अर्चना की। साथ ही कार्यशाला में स्थापित मशीनों एवं यंत्रों समेत कलपुर्जों तथा औजारों, आदि की भी पूजा-अर्चना की गई।इस दौरान स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ लॉ के निद. ेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल 'आर्य' एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय यादव, जीबीपंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टैक्नोलॉजी के प्रो. लोकेश वार्ष्णेय समेत विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना के बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में चलाया गया एक दिवसीय विशेष वृक्षारोपण अभियान

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार एक दिवसीय विशेष वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के 60 से अधिक स्वयं सेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में स्थित ग्राउन्ड सूर्य उद्यान में एक पेड माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत आम, अमरूद, नीम, गुड़हल आदि के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम समन्वयक व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो.

बी.के. सिंह ने बताया कि वृक्ष जीवन का आधार हैं, इसलिए इनको संरक्षित रखना हमारा दायित्व है। उन्होंने सलाह दी कि रोपित किए गए पौधों की देख-रेख व उनकी सुरक्षा भी हमें नियमित रूप से करनी चाहिए।

इस दौरान कार्यक्रम सह समन्वयक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव, कार्यक्रम आयोजक व एग्रीकल्चरल साइंस एण्ड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल सहित विश्वविद्यालय के कई शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन सचिव व एनएसएस इकाई के सदस्य श्री दीपक शर्मा आदि अन्य शिक्षकों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विधि-विधान के साथ हुई भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की कार्यशाला में गतवर्षों की भांति इस वर्ष भी भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाने के उपलक्ष्य में पूरे विधि-विधान के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर पूजा का शुभारम्भ किया। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को ब्रह्मांड का दिव्य वास्तुकार, शिल्पकार और दिव्य इंजीनियर माना जाता है तथा उन्हें स्वर्ग लोक, पुष्पक विमान, कुबेरपुरी जैसे सभी देवनगरी का रचनाकार भी कहा जाता है। प्रो. अग्रवाल ने यह भी कहा कि भगवान विश्वकर्मा कारीगरों, इंजीनियरों, वास्तुकारों, मैकेनिकों और कारखाने के श्रमिकों के संरक्षक देवता भी हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने कहा कि आज भगवान विश्वकर्मा के कौशल और रचनात्मकता का सम्मान करने और समृद्ध भविष्य के लिए उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद लेने का दिन है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्र, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव एवं कैंपस इंजीनियर श्री चन्द्रशेखर नागिला ने भी पूरे विधि-विधान के साथ भगवान विश्वकर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर पूजा-अर्चना की। साथ ही कार्यशाला में स्थापित मशीनों एवं यंत्रों समेत कलपुर्जों तथा औजारों, आदि की भी पूजा-अर्चना की गई।

इस दौरान स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल, स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा, स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय यादव, जीबीपंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड टैक्नोलॉजी के प्रो. लोकेश वार्ष्णेय समेत विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना के बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फामेर्सी संकाय में हुआ राष्ट्रीय फामाकीविजिलेंस सप्ताह का शुभारंभ

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फामेर्सी संकाय में 17 सितंबर से 23 सितंबर तक चलने वाले राष्ट्रीय फामाकोविजिलेंस सप्ताह का शुभारंभ मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में ओनकोकेयर कैंसर हॉस्पिटल, अमरोहा से आए डॉक्टर सतवीर सिंह चैहान, एमबीबीएस, एमडी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉक्टर चैहान ने प्रतिकूल दवा प्रतिकिया की रिपोर्टिंग-रोगी सुरक्षा गुणवत्ता पर विस्तार से समझाते हुए उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक गणों को फामाकोविजिलेंस की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा सभी फार्मा कंपनियां को निर्देशित किया गया है कि सेफ्टी संबंधित जानकारियां पोर्टल के माध्यम से सरकार को अवश्य उपलब्ध कराई जाएं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व फामेर्सी संकाय के डीन डॉ.नवनीत वर्मा ने बताया कि फामाकोविजिलेंस ऐसा विषय है, जिसके माध्यम से कुछ दवाइयों द्वारा होने वाले साइड इफैक्ट्स की जानकारी प्राप्त की जाती है।

इस मौके पर सह संयोजक व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जानकारी एवं बचाव के माध्यम से दवाओं से जनित दुष्परिणामों से बचा जा सकता है। अंत में कार्यक्रम संयोजक व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. प्रशान्त उपाध्याय, त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव, डॉ. प्रवेश कुमार तथा दीक्षा समेत अन्य शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं ने बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन रितिका सक्सेना ने किया। वि0

आईएफटीएम में चलाया गया एक दिवसीय विशेष वृक्षारोपण अभियान

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निदेर्शानुसार एक दिवसीय विशेष वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के 60 से अधिक स्वयं सेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में स्थित ग्राउन्ड सूर्य उद्यान में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत आम, अमरूद, नीम, गुड़हल आदि के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम समन्वयक व एनएसएस इकाई के समन्वयक एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने बताया कि वृक्ष जीवन का आधार हैं, इसलिए इनको संरक्षित रखना हमारा दायित्व है। उन्होंने सलाह दी कि रोपित किए गए पौधों की देख-रेख व उनकी सुरक्षा भी हमें नियमित रूप से करनी चाहिए। इस दौरान कार्यक्रम सह समन्वयक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव, कार्यक्रम आयोजक व एग्रीकल्चरल साइंस एण्ड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल सहित विश्वविद्यालय के कई शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन सचिव व एनएसएस इकाई के सदस्य दीपक शर्मा आदि अन्य शिक्षकों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

आईएफटीएम के फामेर्सी संकाय में हुआ राष्ट्रीय फार्माको विजिलेंस सप्ताह का शुभारंभ

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के फामेर्सी संकाय में 17 सितंबर से 23 सितंबर तक चलने वाले राष्ट्रीय फामाकौविजिलेंस सप्ताह का शुभारंभ मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में ओनकोकेयर कैंसर हॉस्पिटल, अमरोहा से आए डॉक्टर सतवीर सिंह चौहान, एमबीबीएस, एमडी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉक्टर चौहान ने प्रतिकूल दवा प्रतिकिया की रिपोर्टिंग-रोगी सुरक्षा गुणवत्ता पर विस्तार से समझाते हुए उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक गणों को फामाकोविजिलेंस की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा सभी फार्मा कंपनियां को निर्देशित किया गया है कि सेफ्टी संबंधित जानकारियां पोर्टल के माध्यम से सरकार को अवश्य उपलब्ध कराई जाएं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व फामेर्सी संकाय के डीन डॉ.नवनीत वर्मा ने बताया कि फामाकोविजिलेंस ऐसा विषय है, जिसके माध्यम से कुछ दवाइयों द्वारा होने वाले साइड इफैक्ट्स की जानकारी प्राप्त की जाती है। इस मौके पर सह संयोजक व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निदेशक डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि जानकारी एवं बचाव के माध्यम से दवाओं से जनित दुष्परिणामों से बचा जा सकता है। अंत में कार्यक्रम संयोजक व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक डॉ. सुशील कुमार ने सभी उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. प्रशान्त उपाध्याय, श्री त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव, डॉ. प्रवेश कुमार तथा सुश्री दीक्षा समेत अन्य शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं ने बढ-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रितिका सक्सेना ने किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ में हुआ अंतर विद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए विद्यार्थियों को आगे भी ऐसे कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लोगों को कम उत्पादक बना रहा है विषय पर, दूसरे चरण में इंटरनेट सेंसरशिप और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता विषय पर एवं प्रतियोगिता के तासरे चरण में समान नागरिक संहिता और धर्मनिरपेक्षता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा रखे गए उत्कृष्ट विचारों के आधार पर एल.एल.एम., अंतिम वर्ष के छात्र अभिषेक वार्ष्णेय ने प्रथम स्थान, बी.ए.-बी.एड., तृतीय वर्ष के छात्र रजत चौधरी ने द्वितीय स्थान एवं एल.एल.बी., तृतीय वर्ष के छात्र यश मल्होत्रा ने तृतीय स्थान स्थान प्राप्त किया। इस दौरान स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह एवं प्रो. राजकुमारी सिंह निर्णायक की भूमिका में रहे। प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को कुलसचिव प्रो. अग्रवाल द्वारा प्रतीक-चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री उर्जा अरीवान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह, डॉ. मनीषा मटोलिया, डॉ. अरुण कुमार सिंह, गौरव भारती, दिनेश सिंह सागर समेत डॉ. सारिका दूबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ. अखिलेश पाण्डेय, कुंवर अंकुश सक्सैना, डॉ. रितिका सक्सैना एवं संश्री शैफाली अग्रवाल आदि विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता की आयोजन सचिव असिस्टेंट प्रोफेसर कल्पना शर्मा द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 42 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शनिवार, 21 सितंबर 2024 06

वाद विवाद में अभिषेक विजेता

आईएफटीएम विवि में विजेता छात्र को पुरस्कृत करते हुए।

मुरादाबाद, कार्यालय संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बूते पर छात्र अभिषेक वार्ष्णेय ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर किया गया। कुलसचिव प्रोफेसर संजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को आगे भी ऐसे कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ में हुआ 'अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता' का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से "अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए विद्यार्थियों को आगे भी ऐसे कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में "क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लोगों को कम उत्पादक बना रहा है" विषय पर, दूसरे चरण में "इंटरनेट सेंसरशिप और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता" विषय पर एवं प्रतियोगिता के तासरे चरण में "समान नागरिक संहिता और धर्मनिरपेक्षता" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा रखे गए उत्कृष्ट विचारों के आधार पर एल.एल.एम., अंतिम वर्ष के छात्र अभिषेक वार्ष्णेय ने प्रथम स्थान, बी.ए.-बी.एड., तृतीय वर्ष के छात्र रजत चौधरी ने द्वितीय स्थान एवं एल.एल.बी., तृतीय वर्ष के छात्र यश मल्होत्रा ने तृतीय स्थान स्थान प्राप्त किया। इस दौरान स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह एवं प्रो. राजकुमारी सिंह निर्णायक की भूमिका में रहे। प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को कुलसचिव प्रो. अग्रवाल द्वारा प्रतीक-चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री उर्जा अरीवान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह, डॉ. मनीषा मटोलिया, डॉ. अरुण कुमार सिंह, गौरव भारती, दिनेश सिंह सागर समेत डॉ. सारिका दूबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ. अखिलेश पाण्डेय, कुंवर अंकुश सक्सैना, डॉ. रितिका सक्सैना एवं संश्री शैफाली अग्रवाल आदि विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता की आयोजन सचिव असिस्टेंट प्रोफेसर कल्पना शर्मा द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 42 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ में हुआ अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल की ओर से अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए विद्यार्थियों को आगे भी ऐसे कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लोगों को कम उत्पादक बना रहा है विषय पर, दूसरे चरण में इंटरनेट सेंसरशिप और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता विषय पर एवं प्रतियोगिता के तासरे चरण में समान नागरिक संहिता और धर्मनिरपेक्षता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा रखे गए उत्कृष्ट विचारों के आधार पर एल.एल.एम., अंतिम वर्ष के छात्र अभिषेक वार्ष्णेय ने प्रथम स्थान, बी.ए.-बी.एड., तृतीय वर्ष के छात्र रजत चैधरी ने द्वितीय स्थान एवं एल.एल.बी., तृतीय वर्ष के छात्र यश मल्होत्रा ने तृतीय स्थान स्थान प्राप्त किया। इस दौरान स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. बी.के. सिंह एवं प्रो. राजकुमारी सिंह निर्णायक की भूमिका में रहे। प्रतियोगिता में विजेता रहे विद्यार्थियों को कुलसचिव प्रो. अग्रवाल द्वारा प्रतीक-चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. एस.बी. मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री उर्जा अरीवान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह, डॉ. मनीषा मटोलिया, डॉ. अरुण कुमार सिंह, गौरव भारती, दिनेश सिंह सागर समेत डॉ. सारिका दूबे, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ. अखिलेश पाण्डेय, कुंवर अंकुश सक्सैना, डॉ. रितिका सक्सैना एवं संश्री शैफाली अग्रवाल आदि विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता की आयोजन सचिव असिस्टेंट प्रोफेसर कल्पना शर्मा द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 42 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि०

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, रविवार, 22 सितंबर 2024
06

खुद को निरंतर रखें अपडेट

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में आईयूएए एवं फार्मेसी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में 'दवा उद्योग में अपेक्षाएं और मान्यताएं' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें विवि के बी.फार्म 2004 बैच के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में लैबोरेट फार्मास्यूटिकल्स इंडिया लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश में जनरल मैनेजर नीरज भारद्वाज मुख्य वक्ता रहे। अध्यक्ष व फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज में काम करने वाले कर्मचारी जानकारी और कौशल को निरंतर अपडेट रखें। यहां आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के निदेशक प्रो. सुशील कुमार, प्रो. अरुण कुमार मिश्रा रहे।

आईएफटीएम विश्विद्यालय में 'दवा उद्योग में अपेक्षाएं और मान्यताएं' विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एल्युमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं फामेर्सी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में ''दवा उद्योग में अपेक्षाएं और मान्यताए'' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। सेमिनार में विश्वविद्यालय के बी.फार्म. 2004 बैच के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में लैबोरेट फार्मास्यूटिकल्स इंडिया लिमिटेड, पोंटा साहिब, हिमाचल प्रदेश में जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत नीरज भारद्वाज मुख्य वक्ता रहे। मुख्य वक्ता श्री भारद्वाज ने अपने वक्तव्य में कहा कि दवाओं के निर्माण में काम करने वाले फार्मेसी पेशेवरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उच्चतम गुणवत्ता की दवाएं बनाने के साथ ही दवा निर्माण के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों का भी सख्ती से पालन करें। कार्यक्रम के अध्यक्ष व फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने सेमिनार के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज में काम करने वाले कर्मचारी अपनी जानकारी और कौशल को निरंतर अपडेट रखें, क्योंकि दवा उद्योग में लगातार नए शोध और तकनीकी बदलाव होते रहते हैं। उन्होंने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सलाह देते हुए यह भी कहा कि वे समय-समय पर प्रशिक्षण लेते रहने के साथ ही फार्मा क्षेत्र में हो रहे नए शोधों का भी अध्ययन निरन्तर करते रहें। इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने सेमिनार के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एल्युमनस व मुख्य वक्ता श्री भारद्वाज की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कार्यक्रम के आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के निदेशक प्रो. सुशील कुमार एवं सेमिनार के संयोजक व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निर्देशक प्रो. अरूण कुमार मिश्रा ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। सेमिनार का संचालन मिस रितिका सक्सेना ने किया। सेमिनार के सफल आयोजन में फामेर्सी संकाय के शिक्षकों डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. हरप्रीत सिंह, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव एवं मिस अंजली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस सेमिनार में बी.फार्मा. एवं एम.फार्मा पाठ्यक्रम के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में दवा उद्योग में अपेक्षाएं और मान्यताएं विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एल्युमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं फामेर्सी संकाय के संयुक्त तत्वावधान में दवा उद्योग में अपेक्षाएं और मान्यताए विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। सेमिनार में विश्वविद्यालय के बी.फार्म. 2004 बैच के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में लैबोरेट फार्मास्यूटिकल्स इंडिया लिमिटेड, पोंटा साहिब, हिमाचल प्रदेश में जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत नीरज भारद्वाज मुख्य वक्ता रहे। मुख्य वक्ता श्री भारद्वाज ने अपने वक्तव्य में कहा कि दवाओं के निर्माण में काम करने वाले फामेर्सी पेशेवरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उच्चतम गुणवत्ता की दवाएं बनाने के साथ ही दवा निर्माण के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों का भी सख्ती से पालन करें। कार्यक्रम के अध्यक्ष व फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने सेमिनार के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज में काम करने वाले कर्मचारी अपनी जानकारी और कौशल को निरंतर अपडेट रखें, क्योंकि दवा उद्योग में लगातार नए शोध और तकनीकी बदलाव होते रहते हैं। उन्होंने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को सलाह देते हुए यह भी कहा कि वे समय-समय पर प्रशिक्षण लेते रहने के साथ ही फार्मा क्षेत्र में हो रहे नए शोधों का भी अध्ययन निरन्तर करते रहें।

इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने सेमिनार के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एल्युमनस व मुख्य वक्ता श्री भारद्वाज की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कार्यक्रम के आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के निदेशक प्रो. सुशील कुमार एवं सेमिनार के संयोजक व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निर्देशक प्रो. अरूण कुमार मिश्रा ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। सेमिनार का संचालन मिस रितिका सक्सेना ने किया। सेमिनार के सफल आयोजन में फामेर्सी संकाय के शिक्षकों डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. हरप्रीत सिंह, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव एवं मिस अंजली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस सेमिनार में बी.फार्मा. एवं एम.फार्मा पाठ्यक्रम के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि0

अमर उजाला

मुरादाबाद | रविवार, 22 सितंबर 2024 | 4

दवा बनाते समय करें मानकों का पालन : नीरज

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एल्युमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं फार्मेसी संकाय की ओर से सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय दवा उद्योग में अपेक्षाएं और मान्यताएं रहा।

पूर्व छात्र एवं वर्तमान में हिमाचल प्रदेश की एक दवा कंपनी में जनरल मैनेजर नीरज भारद्वाज ने कहा कि दवाओं के निर्माण में काम करने वाले फार्मेसी पेशेवरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उच्चतम गुणवत्ता की दवाएं बनाएं। डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज में काम करने वाले कर्मचारी अपनी जानकारी और कौशल को निरंतर अपडेट रखें। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, प्रो. सुशील कुमार, प्रो. अरुण कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

आईएफटीएम में 21वीं सदी में फामेर्सी पेशे की बदलती गतिशीलता विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल एवं फैकल्टी ऑफ फामेर्सी के संयुक्त तत्वावधान में 21वीं सदी में फामेर्सी पेशे की बदलती गतिशीलता विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। सेमिनार में बायोलॉजिकल ई. लिमिटेड, देहरादून, उत्तराखण्ड में असिस्टेंट जनरल मैनेजर (प्रोडक्शन) के पद पर कार्यरत श्री राकेश प्रकाश श्रीवास्तव मुख्य वक्ता रहे। मुख्य वक्ता श्री श्रीवास्तव ने कहा कि 21वीं सदी में फामेर्सी पेशे में बदलती गतिशीलताओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बड़ा प्रभाव देखा जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने दवा वितरण, रोग निदान, और दवा विकास के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। फार्मासिस्ट अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित सिस्टम का उपयोग करके मरीजों के लिए व्यक्तिगत दवा योजनाएँ बना रहे हैं, जिससे इलाज की सटीकता और प्रभावशीलता बढ़ी है। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित ड्रग डिस्कवरी और रिसर्च प्लेटफॉर्म नई दवाओं के विकास की प्रक्रिया को तेज और किफायती बना रहे हैं। सेमिनार के दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष व फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने कहा कि नई दवाइयों का अनुसंधान, विकास और विस्तार फामेर्सी क्षेत्र के लिए नए अवसर खोल रहा है। इससे रोगियों को नए और उन्नत इलाज के विकल्प उपलब्ध होने के साथ ही समय की बचत व गलतियों की संभावना कम हो रही है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के निदेशक प्रो. सुशील कुमार एवं संयोजक व साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के निर्देशक प्रो. अरूण कुमार मिश्र ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। सेमिनार का संचालन मिस रितिका सक्सेना ने किया। सेमिनार के सफल आयोजन में डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. हरप्रीत सिंह, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव एवं सुश्री दीक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सेमिनार के दौरान बी.फार्मा. एवं एम.फार्मा पाठ्यक्रम के 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, गुरुवार, 26 सितंबर 2024 05

आईएफटीएम में वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व अन्य।

आईएफटीएम में फार्मासिस्ट डे पर हुए विविध कार्यक्रम

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम में वर्ल्ड फार्मासिस्ट डे को लेकर विविध कार्यक्रम हुए। रक्तदान शिविर का उद्घाटन प्रतिकुलपति एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने किया। प्रो. मिश्रा ने कहा रक्तदान महादान है। रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल मुरादाबाद ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. शिल्पी अग्रवाल की देखरेख में हुआ। रक्तदान शिविर में 25 लोगों ने रक्तदान किया। इसके पश्चात 'फार्मासिस्ट्सः मीटिंग ग्लोबल हेल्थ नीड्स' विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ, जिसमें ड्रग इंस्पेक्टर नेहा वैश्य ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी तरह रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। सभी विजेता विद्यार्थियों को ड्रग इंस्पेक्टर नेहा वैश्य, फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा के अतिरिक्त स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने पुरस्कृत किया। प्रो. वर्मा ने यह भी बताया कि यह आयोजन फार्मेसी के विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा।

अमर उजाला

मुरादाबाद | बृहस्पतिवार, 26 सितंबर 2024 | 4

गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के कार्यों को किया याद

आईएफटीईएम में आयोजित कार्यक्रम में बोलती छात्रा। स्रोत : विवि

मुरादाबाद। आईएफटीईएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के गणित विभाग में मैथ्स स्टोरी टैलिंग डे मनाया गया। विद्यार्थियों ने वैदिक गणित, द इंफिनिटी जर्नी, मैथमेटिक्स फन, प्रोबेबिलिटी, खगोल विज्ञान और गणित के अलग-अलग विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी।

प्रो. बीके सिंह ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ने गणित के सहज ज्ञान और बीजगणित प्रकलन की अद्वितीय प्रतिभा के बल पर बहुत से मौलिक और अपारंपरिक परिणाम निकाले, जिनसे प्रेरित शोध आज तक हो रहा है। हाल में इनके सूत्रों को क्रिस्टल-विज्ञान में प्रयुक्त किया गया है। गणित विभाग के प्रो. वीपी पांडे ने आज के युग में गणित विषय की उपयोगिता तथा उनसे होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला।

उन्होंने यह भी कहा कि रामानुजन जी अक्सर जटिल गणितीय समस्याओं को आसानी से हल कर देते थे, जिससे उनके शिक्षक आश्चर्यचकित हो जाते थे। इस दौरान कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, डॉ. रिद्धि गर्ग, डॉ. निधि तिवारी, डॉ. ज्योति अग्रवाल, अंशुल दुबे आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

आईएफटीएम में 'वर्ल्ड फार्मेसिस्ट्स डे' पर हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में ''वर्ल्ड फार्मेसिस्ट्स डे'' मनाए जाने के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर, सेमिनार के अलावा पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, मॉडल प्रेजेंटेशन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। रक्तदान शिविर का उद्घाटन प्रतिकुल. पति एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने फीता काटकर किया। प्रो. मिश्रा ने कहा कि रक्तदान महादान है, इससे कई लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल मुरादाबाद ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. शिल्पी अग्रवाल की देखरेख में हुआ। रक्तदान शिविर में 35 लोगों ने रक्तदान हेतु पंजीकरण कराया,

जिनमें 25 लोगों ने रक्तदान किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि 18 से 60 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति 3 महीने में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इसके अलावा फार्मेसी संकाय द्वारा आयोजित की गई मॉडल प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 62 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें फार्मेसी एकेडमी के बी.फार्मा, प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों आकांक्षा कुमारी, सिमरन परवीन, आकाश कुमार, गुंजन शर्मा की टीम प्रथम, फार्मेसी एकेडमी के बी. फार्मा., द्वितीय वर्ष की श्रेया सिंह, विशाल सैनी, रितेश कुमार, यश मालिक की टीम द्वितीय तथा साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के बी.फार्मा, द्वितीय वर्ष के मोहित, ध्रुव, राघव शर्मा और अर्चित की टीम तृतीय स्थान पर रहीं। सभी विजेता विद्यार्थियों को ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती नेहा वैश्य, फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा के अतिरिक्त स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने पुरस्कृत किया। प्रो. वर्मा ने यह भी बताया कि यह आयोजन फार्मेसी के विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा। साथ ही उन्होंने श्रीमती नेहा वैश्य को बुके और प्रतीक-चिन्ह भी भेंट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. प्रशान्त उपाध्याय, डॉ. मुनीश मणि, समन्वयक त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, डॉ. आशीष कुमार गुप्ता, डॉ. दिवाकर शुक्ला, डॉ. शहबाज खान, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम के स्कूल ऑफ साइंसेज में मनाया गया मैथ्स स्टोरी टैलिंग डे

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के गणित विभाग में मैथ्स स्टोरी टैलिंग डे मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज प्रो. बी.के. सिंह ने मां शारदा की समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर प्रो. सिंह ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन जी के संबंध में एक घटना का विस्तार के साथ वर्णन किया। प्रो. सिंह ने अपने उदबोधन में यह भी कहा कि रामानुजन जी ने गणित के सहज ज्ञान और बीजगणित प्रकलन की अद्वितीय प्रतिभा के बल पर बहुत से मौलिक और अपारम्परिक परिणाम निकाले, जिनसे प्रेरित शोध आज तक हो रहा है, हाल में इनके सूत्रों को क्रिस्टल-विज्ञान में प्रयुक्त किया गया है। गणित विभाग के प्रो. वी.पी. पांडे ने आज के युग में गणित विषय की उपयोगिता तथा उनसे होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि रामानुजन जी अक्सर जटिल गणितीय समस्याओं को आसानी से हल कर देते थे, जिससे उनके शिक्षक आश्चर्यचकित हो जाते थे। कार्यक्रम की संयोजिका व गणित विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. रिद्धि गर्ग ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर करुणा, वैष्णवी, रितु, प्राची, बाजला, तरुण, रिया, मोनिका आदि छात्र-छात्राओं ने वैदिक गणित, द इंफिनिटी जर्नी, मैथमेटिक्स फन, प्रोबेबिलिटी, खगोल विज्ञान और गणित के अलग-अलग विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह संयोजिका डॉ. निधि तिवारी, डॉ. ज्योति अग्रवाल, गणित विभाग के शिक्षक अंशुल दुबे का विशेष योगदान रहा। इस दौरान डॉ. राजन सिंह, दीपक शर्मा, विपिन, डॉ. आर.के. तिवारी, डॉ. आर.वी तिवारी, डॉ. निधि प्रभाकर, डॉ. तरुण गुप्ता तथा गणित विभाग अन्य विभागों के शिक्षक डॉ. अतानु नाग, डॉ. रोहित कुमार, डॉ. सारिका अरोरा समेत स्कूल ऑफ साइंसेज के 65 से अधिक छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

आईएफटीएम में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर आयोजित हुआ सत्र

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एल्युमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशन्स के संयुक्त तत्वावधान में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। सत्र में विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन के 2021-2024 बैच के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में कैपजेमिनी, नोयडा में सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के पद पर कार्यरत अभिषेक वर्मा मुख्य वक्ता रहे। मुख्य वक्ता श्री वर्मा ने अपने व्याख्यान में कहा कि आज के समय में जेनरेटिव एआई बहुत ज्यादा उपयोग हो रही है चैटजीपीटी, कोपायलट एवं ओपन एआई जैसे टूल्स जेनरेटिव एआई का उदाहरण है व इनके माध्यम से हम अपनी आवश्यकता के अनुसार डाटा जनरेट कर सकते हैं। सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री में इस तरह के प्रोग्रामर की जरूरत पड़ रही है, जो जेनरेटिव एआई के द्वारा डाटा जनरेट कर सकें। जेनरेटिव ए-आई मशीन लर्निंग की एक शाखा है, जो नई और मूल सामग्री बनाने पर केंद्रित है। साथ ही उन्होंने बताया कि जेनरेटिव ए-आई मौजूदा डेटा से पैटर्न सीखकर नया डिजिटल कंटेंट उत्पन्न करता है, जैसे कि चित्र, वीडियो, टेक्स्ट, और 3-डी मोडल आदि। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशन्स के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने सत्र के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान में जेनरेटिव एआई तकनीकी क्षेत्र में तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यह तकनीक, जो पहले से तैयार डेटा से नए और रचनात्मक कंटेंट का निर्माण करती है, कई क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, गेमिंग, और ऑटोमोटिव जैसे उद्योगों में इसका प्रभाव देखा जा सकता है। विशेष रूप से, यह मीडिया और इंटरैक्टिव गेमिंग में उपयोगी साबित हो रहा है। एआई के द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले गेम और कंटेंट बनाए जा रहे हैं, जो पहले सिर्फ बड़े स्टूडियो में ही संभव था। भारत भी इस क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। हालांकि, इसके साथ ही जेनरेटिव एआई से जुड़े कुछ जोखिम भी हैं, जैसे कि डेटा गोपनीयता और गलत सूचना फैलने की संभावनाएं। इसका दुरुपयोग फेक न्यूज और गलत प्रचार के लिए भी हो सकता है, जो सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर हानिकारक हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि जेनरेटिव एआई की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के बीच यह देखना महत्वपूर्ण है कि इसे कैसे नियंत्रित और विनियमित किया जाए, ताकि इसके सकारात्मक पहलुओं का अधिकतम लाभ उठाया जा सके और इसके संभावित खतरों से बचा जा सके। आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने सत्र के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एलुमिनस व मुख्य वक्ता श्री अभिषेक वर्मा की सराहना करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन्स के डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. देवेंद्र सिंह एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। सत्र के सफल आयोजन में प्रो. अभिषेक कुमार मिश्रा एवं डॉ. मनीष रंजन पांडे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सत्र का संचालन हरप्रीत सिंह चावला ने किया। इस मौके पर डॉ. भारत भूषण अग्रवाल, श्री विमल कुमार, मुनीष कुमार, श्रीमती अनुराग, डॉक्टर शुभम गौड़, अरविंद कुमार एवं सुश्री नेहा जोशी इत्यादि उपस्थित रहे। इस सत्र में बीसीए, एमसीए एवं बी.टेक-कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में माइकल फैराडे के जन्मदिन के अवसर पर हुआ पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन्स इंजीनियरिंग एवं इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईसीसी) के संयुक्त तत्वावधान में माइकल फैराडे के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं।

महान वैज्ञानिक माइकल फैराडे द्वारा विद्युत और चुम्बकत्व के क्षेत्र में की गई कई क्रांतिकारी खोजें व जादुई आविष्कारों के सम्बन्ध में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अत्यंत रूचि के साथ प्रतिभाग किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर स्कूल ऑफ साइंसेज के जेडबीसी, द्वितीय वर्ष के छात्र सुहेल को प्रथम, बी.टैक., सिविल इंजीनियरिंग, प्रथम वर्ष के छात्र हर्षित कुमार को द्वितीय एवं बी.टैक, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, प्रथम वर्ष के छात्र रितेश तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने आयोजन समिति को विद्यार्थियों हेतु समय-समय पर इस प्रकार के ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन कराते रहने की सलाह दी, ताकि वे जीवन में अपने प्रतिभावान और कुशल व्यक्तित्व के माध्यम से विश्वविद्यालय तथा अपने परिवार का नाम रोशन करें।

कार्यक्रम व आईसीसी के अध्यक्ष एवं स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने कार्यक्रम के दौरान प्राप्त की गई जानकारियों को आत्मसात करने हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। डॉ. कुमार ने जानकारी दी कि फैराडे द्वारा विद्युत और चुम्बकत्व के क्षेत्र में की गई खोजों ने आधुनिक विज्ञान की नींव रखी।

साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि माइकल फैराडे के अनुसंधान और सिद्धांतों ने न केवल अपने समय में, बल्कि भविष्य में भी विज्ञान के विकास को प्रभावित किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम की संयोजिका व इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन्स इंजीनियरिंग विभाग की विभागाध्यक्षा सुश्री आयुशी भारद्वाज एवं आयोजन सचिव सुश्री शैलू समेत अन्य शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के ९४ से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में मनाया गया फार्मासिस्ट दिवस

आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में वर्ल्ड फार्मेसिस्ट्स डे पर हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में वर्ल्ड फार्मेसिस्ट्स डे मनाए जाने के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर, सेमिनार के अलावा पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, मॉडल प्रेजेंटेशन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। रक्तदान शिविर का उद्घाटन प्रतिकुलपति एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने फीता काटकर किया। प्रो. मिश्रा ने कहा कि रक्तदान महादान है, इससे कई लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल मुरादाबाद ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. शिल्पी अग्रवाल की देखरेख में हुआ। रक्तदान शिविर में 35 लोगों ने रक्तदान हेतु पंजीकरण कराया, जिनमें 25 लोगों ने रक्तदान किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि 18 से 60 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति 3 महीने में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इसके पश्चात ह्यह्यफार्मासिस्ट्सः मीटिंग ग्लोबल हेल्थ नीड्सह्लह्ल विषय पर एक सेमिनार का भी आयोजन हुआ, जिसमें पीलीभीत जिले के डिपार्टमेंट ऑफ फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती नेहा वैश्य ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा फामेर्सी संकाय द्वारा आयोजित की गई मॉडल प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 62 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें फामेर्सी एकेडमी के बी.फामा, प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों आकांक्षा कुमारी, सिमरन परवीन, आकाश कुमार, गुंजन शर्मा की टीम प्रथम, फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष की श्रेया सिंह, विशाल सैनी, रितेश कुमार, यश मालिक की टीम द्वितीय तथा साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के बी.फार्मा, द्वितीय वर्ष के मोहित, ध्रुव, राघव शर्मा और अर्चित की टीम तृतीय स्थान पर रहीं। इसी तरह रंगोली प्रतियोगिता में 51 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के बी.फार्मा., प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों रहमत बी, रुकैया नाज, आईशा, मानसी की टीम प्रथम, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के बी.फार्मा, तृतीय वर्ष के समरीन, जैबा, कनीज, शिवानी की टीम द्वितीय तथा फामेर्सी एकेडमी की बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष की अनामिका, सानिब, इरम की टीम तृतीय स्थान पर रही। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के बी.फार्मा, चतुर्थ वर्ष के छात्र मो. आदिल, सैयद मोहम्मद जिलानी, मो. जावेद की टीम प्रथम, फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा, तृतीय वर्ष की हर्षिता, अनुश्री की टीम द्वितीय तथा स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के बी.फार्मा, प्रथम वर्ष के अजय तृतीय स्थान पर रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें फामेर्सी एके-डमी के बी.फार्मा, चतुर्थ वर्ष के छात्र फैक अली, मोहसिन, अरुण कुमार एवं डी.फार्मा, प्रथम वर्ष के विनय की टीम प्रथम, फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा, द्वितीय वर्ष के हर्ष पाण्डेय, आदिल खान, रोहित की टीम द्वितीय तथा स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के बी.फार्मा, प्रथम वर्ष के मो. जीशान, साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के बी.फार्मा, द्वितीय वर्ष, प्रियांश चैहान, फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा, तृतीय वर्ष, मो. जहीन एवं डी.फार्मा, प्रथम वर्ष के सुधांशु की टीम तृतीय स्थान पर रही। सभी विजेता विद्यार्थियों को ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती नेहा वैश्य, फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा के अतिरिक्त स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने पुरस्कृत किया। प्रो. वर्मा ने यह भी बताया कि यह आयोजन फामेर्सी के विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा। साथ ही उन्होंने श्रीमती नेहा वैश्य को बुके और प्रतीक-चिन्ह भी भेंट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. प्रशान्त उपाध्याय, डॉ. मुनीश मणि, समन्वयक श्री त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, डॉ. आशीष कुमार गुप्ता, डॉ. दिवाकर शुक्ला, डॉ. शहबाज खान, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में अन्य विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर आयोजित हुआ सत्र

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एल्युमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशन्स के संयुक्त तत्वावधान में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर एक सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। सत्र में विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन के 2021-2024 बैच के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में कैपजेमिनी, नोयडा में सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट के पद पर कार्यरत अभिषेक वर्मा मुख्य वक्ता रहे। मुख्य वक्ता वर्मा ने अपने व्याख्यान में कहा कि आज के समय में जेनरेटिव एआई बहुत ज्यादा उपयोग हो रही है चैटजीपीटी, कोपायलट एवं ओपन एआई जैसे टूल्स जेनरेटिव ए-आई का उदाहरण है व इनके माध्यम से हम अपनी आवश्यकता के अनुसार डाटा जनरेट कर सकते हैं। सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री में इस तरह के प्रोग्रामर की जरूरत पड़ रही है, जो जेनरेटिव एआई के द्वारा डाटा जनरेट कर सकें। जेनरेटिव ए-आई मशीन लर्निंग की एक शाखा है, जो नई और मूल सामग्री बनाने पर केंद्रित है। साथ ही उन्होंने बताया कि जेनरेटिव ए-आई मौजूदा डेटा से पैटर्न सीखकर नया डिजिटल कंटेंट उत्पन्न करता है, जैसे कि चित्र, वीडियो, टेक्स्ट, और 3-डी मोडल आदि।

इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशन्स के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने सत्र के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान में जेनरेटिव एआई तकनीकी क्षेत्र में तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यह तकनीक, जो पहले से तैयार डेटा से नए और रचनात्मक कंटेंट का

निर्माण करती है, कई क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, गेमिंग, और ऑटोमोटिव जैसे उद्योगों में इसका प्रभाव देखा जा सकता है। विशेष रूप से, यह मीडिया और इंटरैक्टिव गेमिंग में उपयोगी साबित हो रहा है। एआई के द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले गेम और कंटेंट बनाए जा रहे हैं, जो पहले सिर्फ बड़े स्टूडियो में ही संभव था। भारत भी इस क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। हालांकि, इसके साथ ही जेनरेटिव एआई से जुड़े कुछ जोखिम भी हैं, जैसे कि डेटा गोपनीयता और गलत सूचना फैलने की संभावनाएं। इसका दुरुपयोग फेक न्यूज और गलत प्रचार के लिए भी हो सकता है, जो सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर हानिकारक हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि जेनरेटिव एआई की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता के बीच यह देखना महत्वपूर्ण है कि इसे कैसे नियंत्रित और विनियमित किया जाए, ताकि इसके सकारात्मक पहलुओं का अधिकतम लाभ उठाया जा सके और इसके संभावित खतरों से बचा जा सके। आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने सत्र के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एलुमिनस व मुख्य वक्ता अभिषेक वर्मा की सराहना करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन्स के डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. देवेंद्र सिंह एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। सत्र के सफल आयोजन में प्रो. अभिषेक कुमार मिश्रा एवं डॉ. मनीष रंजन पांडे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सत्र का संचालन हरप्रीत सिंह चावला ने किया। इस मौके पर डॉ. भारत भूषण अग्रवाल, विमल कुमार, मुनीष कुमार, श्रीमती अनुराग, डॉक्टर शुभम गौड़, अरविंद कुमार एवं नेहा जोशी इत्यादि उपस्थित रहे। इस सत्र में बीसीए, एमसीए एवं बी.टेक-कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि०

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में वर्ल्ड फार्मेसिस्ट्स डे पर हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में वर्ल्ड फार्मेसिस्ट्स डे मनाए जाने के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर, सेमिनार के अलावा पोस्टर मेकिंग, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, मॉडल प्रेजेंटेशन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। रक्तदान शिविर का उद्घाटन प्रतिकुलपति एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने फीता काटकर किया। प्रो. मिश्रा ने कहा कि रक्तदान महादान है, इससे कई लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल मुरादाबाद ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ. शिल्पी अग्रवाल की देखरेख में हुआ। रक्तदान शिविर में 35 लोगों ने रक्तदान हेतु पंजीकरण कराया, जिनमें 25 लोगों ने रक्तदान किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि 18 से 60 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति 3 महीने में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। इसके पश्चात फार्मासिस्ट्सः मीटिंग ग्लोबल हेल्थ नीड्स विषय पर एक सेमिनार का भी आयोजन हुआ, जिसमें पीलीभीत जिले के डिपार्टमेंट ऑफ फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती नेहा वैश्य ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा फामेर्सी संकाय द्वारा आयोजित की गई मॉडल प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में 62 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें फामेर्सी एकेडमी के बी.फामा, प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों

आकांक्षा कुमारी, सिमरन परवीन, आकाश कुमार, गुंजन शर्मा की टीम प्रथम, फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष की श्रेया सिंह, विशाल सैनी, रितेश कुमार, यश मालिक की टीम द्वितीय तथा साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के बी.फार्मा, द्वितीय वर्ष के मोहित, ध्रुव, राघव शर्मा और अर्चित की टीम तृतीय स्थान पर रहीं। इसी तरह रंगोली प्रतियोगिता में 51 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के बी.फार्मा., प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों रहमत बी, रुकैया नाज, आईशा, मानसी की टीम प्रथम, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के बी.फार्मा, तृतीय वर्ष के समरीन, जैबा, कनीज, शिवानी की टीम द्वितीय तथा फामेर्सी एकेडमी की बी.फार्मा., द्वितीय वर्ष की अनामिका, सानिब, इरम की टीम तृतीय स्थान पर रही। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के बी.फार्मा, चतुर्थ वर्ष के छात्र मो. आदिल, सैयद मोहम्मद जिलानी, मो. जावेद की टीम प्रथम, फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा, तृतीय वर्ष की हर्षिता, अनुकी टीम द्वितीय तथा स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के बी.फार्मा, प्रथम वर्ष के अजय तृतीय स्थान पर रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा, चतुर्थ वर्ष के छात्र फैक अली, मोहसिन, अरुण कुमार एवं डी.फार्मा, प्रथम वर्ष के विनय की टीम प्रथम, फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा, द्वितीय वर्ष के हर्ष पाण्डेय, आदिल खान, रोहित की टीम द्वितीय तथा स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज के बी.फार्मा, प्रथम वर्ष के मो. जीशान, साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फामेर्सी के बी.फार्मा, द्वितीय वर्ष, प्रियांश चैहान, फामेर्सी एकेडमी के बी.फार्मा, तृतीय वर्ष, मो. जहीन एवं डी.फार्मा, प्रथम वर्ष के सुधांशु की टीम तृतीय स्थान पर रही। सभी विजेता विद्यार्थियों को ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती नेहा वैश्य, फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा के अतिरिक्त स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अरुण कुमार मिश्र ने पुरस्कृत किया। प्रो. वर्मा ने यह भी बताया कि यह आयोजन फामेर्सी के विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा। साथ ही उन्होंने श्रीमती नेहा वैश्य को बुके और प्रतीक-चिन्ह भी भेंट किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. प्रशान्त उपाध्याय, डॉ. मुनीश मणि, समन्वयक त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ, डॉ. आशीष कुमार गुप्ता, डॉ. दिवाकर शुक्ला, डॉ. शहबाज खान, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में अन्य विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में माइकल फैराडे के जन्मदिन के अवसर पर हुआ पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन्स इंजीनियरिंग एवं इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईसीसी) के ंयुक्त तत्वावधान में माइकल फैराडे के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। महान वैज्ञानिक माइकल फैराडे द्वारा विद्युत और चुम्बकत्व के क्षेत्र में की गई कई क्रांतिकारी खोजें व जादुई आविष्कारों के सम्बन्ध में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अत्यंत रूचि के साथ प्रतिभाग किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर स्कूल ऑफ साइंसेज के जेडबीसी, द्वितीय वर्ष के छात्र सुहेल को प्रथम, बी.टैक., सिविल इंजीनियरिंग, प्रथम वर्ष के छात्र हर्षित कुमार को द्वितीय एवं बी.टैक, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, प्रथम वर्ष के छात्र रितेश तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने आयोजन समिति को विद्यार्थियों हेतु समय-समय पर इस प्रकार के ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन कराते रहने की सलाह दी, ताकि वे जीवन में अपने प्रतिभावान और कुशल व्यक्तित्व के माध्यम से विश्वविद्यालय तथा अपने परिवार का नाम रोशन करें। कार्यक्रम व आईसीसी के अध्यक्ष एवं स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने कार्यक्रम के दौरान प्राप्त की गई जानकारियों को आत्मसात करने हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। डॉ. कुमार ने जानकारी दी कि फैराडे द्वारा विद्युत और चुम्बकत्व के क्षेत्र में की गई खोजों ने आधुनिक विज्ञान की नींव रखी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि माइकल फैराडे के अनुसंधान और सिद्धांतों ने न केवल अपने समय में, बल्कि भविष्य में भी विज्ञान के विकास को प्रभावित किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के ९८ से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज में मनाया गया मैथ्स स्टोरी टैलिंग डे

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के गणित विभाग में मैथ्स स्टोरी टैलिंग डे मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज प्रो. बी.के. सिंह ने मां शारदा की समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मौके पर प्रो. सिंह ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन जी के संबंध में एक घटना का विस्तार के साथ वर्णन किया। प्रो. सिंह ने अपने उदबोधन में यह भी कहा कि रामानुजन जी ने गणित के सहज ज्ञान और बीजगणित प्रकलन की अद्वितीय प्रतिभा के बल पर बहुत से मौलिक और अपारम्परिक परिणाम निकाले, जिनसे प्रेरित शोध आज तक हो रहा है, हाल में इनके सूत्रों को क्रिस्टल-विज्ञान में प्रयुक्त किया गया है। गणित विभाग के प्रो. वी.पी. पांडे ने आज के युग में गणित विषय की उपयोगिता तथा उनसे होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी कहा कि रामानुजन जी अक्सर जटिल गणितीय समस्याओं को आसानी से हल कर देते थे, जिससे उनके शिक्षक आश्चर्यचकित हो जाते थे।

कार्यक्रम की संयोजिका व गणित विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. रिद्धि गर्ग ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर करुणा, वैष्णवी, रितु, प्राची, बाजला, तरुण, रिया, मोनिका आदि छात्र-छात्राओं ने वैदिक गणित, द इंफिनिटी जर्नी, मैथमेटिक्स फन, प्रोबेबिलिटी, खगोल विज्ञान और गणित के अलग-अलग विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह संयोजिका डॉ. निधि तिवारी, डॉ. ज्योति अग्रवाल, गणित विभाग के शिक्षक अंशुल दुबे का विशेष योगदान रहा। इस दौरान डॉ. राजन सिंह, दीपक शर्मा, विपिन, डॉ. आर.के. तिवारी, डॉ. आर.वी तिवारी, डॉ. निधि प्रभाकर, डॉ. तरुण गुप्ता तथा गणित विभाग अन्य विभागों के शिक्षक डॉ. अतानु नाग, डॉ. रोहित कुमार, डॉ. सारिका अरोरा समेत स्कूल ऑफ साइंसेज के 65 से अधिक छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। वि0

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विधिक क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ के द्वारा लीगल टैक फैलो, कोर्ट इजी एआई के संयुक्त तत्वावधान में विधिक क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। कार्यशाला में लीगल टैक फैलो, कोर्ट इजी एआई की ओर से सुश्री मारिया नूर मुख्य वक्ता रहीं। मुख्य वक्ता सुश्री नूर ने अपने वक्तव्य में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विधिक क्षेत्र में एक नई क्रांतिकारी अध्ययन को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य में होने वाली सभी विधिक समस्याओं एवं प्रमुख पहलुओं पर समस्त ज्ञान को एकत्रित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका भी अदा कर रहा है। इसी कड़ी में उन्होंने जानकारी दी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विधि विद्यार्थियों के लिए शोध एवं केस स्टडी में भी अत्यंत लाभप्रद सिद्ध हो रहा है। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक व स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि लीगल टैक फैलो, कोर्ट इजी एआई विधिक क्षेत्र को निरंतर विकसित करने का हर सम्भव प्रयास कर रहा है एवं समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विस्तार विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है, जिसके कारण हम तकनीक के क्षेत्र के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं।

कार्यक्रम के सह समन्वयक व विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. योगेंद्र सिंह ने कार्यशाला के विषय के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीकें, खास तौर पर नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, दस्तावेज समीक्षा के समय लेने वाले काम को स्वचालित कर सकती हैं। एआई-संचालित सॉफ्टवेयर कानूनी दस्तावेजों, अनुबंधों और ईमेल की बड़ी मात्रा का विश्लेषण और वर्गीकरण कर सकता है, जिससे कानूनी पेशेवरों द्वारा आवश्यक मैन्युअल प्रयास कम हो जाते हैं। इससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि सटीकता में भी सुधार होता है और मानवीय त्रुटि का जोखिम कम होता है। कार्यक्रम का संचालन बीए. एलएल.बी., द्वितीय वर्ष की छात्रा अनन्या भटनागर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ लॉ की डॉ. मनीषा मटोलिया द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन सचिव श्री विवेकानन्द समेत स्कूल के अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इस कार्यशाला में ४० से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि०

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शनिवार, 28 सितंबर 2024 06

पर्यटन के महत्व पर जोर दिया

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शुभारंभ करते हुए प्रोफेसर संजीव अग्रवाल ने संबोधन के माध्यम से वैश्विक शांति और समझ को बढ़ावा देने में पर्यटन के महत्व पर जोर दिया। यहां आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, साहू ओंकार सरन, स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्रा व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की अपर निदेशिका प्रो. नीलू त्रिवेदी रहीं।

आईएफटीएम में 'विश्व पर्यटन दिवस' के अवसर पर हुआ पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्व. विद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के होटल मैनेजमेंट विभाग एवं एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व पर्यटन दिवस'' मनाए जाने के अंतर्गत ''पर्यटन शांति का साधन'' थीम पर एक रंगारंग ''पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. संजीव अग्रवाल के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ, जिन्होंने वैश्विक शांति और समझ को बढ़ावा देने में पर्यटन के महत्व पर जोर दिया।

इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मकता और थीम की समझ का प्रदर्शन किया। इस मौके पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने विद्यार्थियों के कौशल और जागरूकता को बढ़ाने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया, जिसमें प्रबंधन अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष व आईक्यूएसीके निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, साहू ओंकार सरन स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक प्रो. अरुण कुमार मिश्रा व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की अपर निदेशिका प्रो. नीलू त्रिवेदी रहीं। विद्यार्थियों द्वारा बनाए पोस्टर्स में दर्शित रचनात्मकता और विचारों की गहराई से निर्णायक मंडल के सदस्य बहुत प्रभावित हुए। विद्यार्थियों ने अपने पोस्टर्स पर मेहनत करते हुए एक उत्साहित और प्रत्याशित माहौल बनाया व उनके द्वारा पर्यटन के माध्यम से शांति का संदेश देने का प्रयास किया। दीवारों पर रंग-बिरंगे और विचारोत्तेजक पोस्टर्स के सजाने से एक जीवंत और प्रेरणादायक वातावरण बन गया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बीबीए-एलएलबी, तृतीय वर्ष की छात्रा नजफ फिरोज ने प्रथम, बी.एससी-बीएड, चतुर्थ वर्ष के छात्र सजल कुमार शर्मा ने द्वितीय स्थान एवं बी. एससी (ऑनर्स) कृषि के छात्र प्रशांत सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा तालियों की गड़गड़ाहट के बीच की गई। समापन टिप्पणी में प्रो. संजीव अग्रवाल और प्रो. निशा अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की और पर्यटन के माध्यम से शांति और समझ को बढ़ावा देने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. स्वाति राय, डॉ आरती गर्ग, प्रो. हिमांशु

गुप्ता, सुश्री ज्योति सिंह का विशेष योगदान रहा। निदेशिका प्रो. अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा, जिसने विद्यार्थियों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा और पर्यटन को शांति के एक शक्तिशाली साधन के रूप में पुन: स्थापित किया। कार्यक्रम का समापन होटल मैनेजमेंट विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. मेघा भाटिया के धन्यवाद प्रस्ताव से हुआ।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, रविवार, 29 सितंबर 2024
05

छात्र को मिली ऑस्ट्रेलिया सरकार में नौकरी

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के बीएससी (कृषि) के छात्र राघविन्दर सिंह को ऑस्ट्रेलियन गर्वमेंट ने पर्यावरण संरक्षण अधिकारी के पद पर जॉब ऑफर किया है। इस उपलब्धि पर विवि के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने राघविन्दर सिंह को बधाई दी। राघविंदर की इस उपलब्धि पर प्रतिकुलपति–एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल मिश्रा आदि रहे।

आयात-निर्यात की नीतियों को बताया

मुरादाबाद। आईएफटीएम विवि में आईयूएए एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में रोल ऑफ एक्जिम पॉलिसी इन प्रोमोटिंग द इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ द कंट्री विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। विवि से बीबीए 2018-21 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में एशियन आर्ट सेंटर, मुरादाबाद में मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर कार्यरत अब्दुल्ला बिन मुमताज ने आयात निर्यात की नीतियों पर प्रकाश डाला। आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव प्रो. निशा अग्रवाल, शेफाली अग्रवाल, डॉ. स्वाति राय, डॉ. निखिल गुप्ता, डॉ. चारू दत्ता आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला

मुरादाबाद | रविवार, 29 सितंबर 2024 | 5

अंडर-14 क्रिकेट के ट्रायल कल

मुरादाबाद। अंडर-14 आयु वर्ग में क्रिकेट खिलाड़ियों के ट्रायल 30 सितंबर को होंगे। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के मैदान पर सुबह आठ बजे से यह प्रक्रिया शुरू होगी।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में होंगे ट्रायल

डीएसए के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने बताया कि ट्रायल के आधार पर जिले की टीम बनाई जाएगी।

यह टीम आगामी प्रतियोगिताओं में मुरादाबाद का प्रतिनिधित्व करेगी। ट्रायल्स में केवल वही खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे, जिन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन में अपना पंजीकरण करा लिया है। संवाद

आईएफटीएम के छात्र राघविन्दर सिंह को पर्यावरण संरक्षण अधिकारी के पद के लिए ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट की ओर से प्राप्त हुआ जॉब ऑफर

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के बी.एससी. (कृषि) के छात्र राघविन्दर सिंह को ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट द्वारा पर्यावरण संरक्षण अधिकारी के पद हेतु आकर्षक वेतनमान पर जॉब ऑफर दिया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने श्री राघविन्दर सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि होनहार विद्यार्थी किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए ब्रांड एंबेसडर की तरह होते हैं। उन्होंने कहा कि श्री सिंह की इस उपलब्धि से विश्व. विद्यालय के अन्य विद्यार्थी भी प्रेरित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि लक्ष्य निर्धारित करके निरंतर मेहनत करने वाले विद्यार्थी अवश्य सफल होते हैं। श्री सिंह की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने भी बधाई दी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि छात्र श्री सिंह स्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत रहने के समय से ही जागरूक एवं परिश्रमी रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि श्री सिंह की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिवार के लिए भी गर्व का विषय है। इस मौके पर एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल एवं समन्वयक डॉ. ए.एन. चौबे समेत स्कूल के सभी शिक्षकों ने भी छात्र श्री सिंह को उनकी इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

राघविन्दर सिंह

10 दैनिक जागरण मुरादाबाद, 29 सितंबर, 2024

आइएफटीएम में 30 सितंबर को होंगे अंडर 14 क्रिकेट ट्रायल्स

मुरादाबाद : आइएफटीएम विश्वविद्यालय के क्रिकेट मैदान पर 30 सितंबर को अंडर 14 डीएसए क्रिकेट ट्रायल्स आयोजित होंगे। सचिव विजय गुप्ता ने बताया कि जिन खिलाड़ियों का यूपीसीए से रजिस्ट्रेशन हो गया है। जिन्होंने निर्धारित फीस जमा कर दी है। वहीं ट्रायल में प्रतिभाग कर सकते हैं। वि.

आईएफटीएम में 'रोल ऑफ एक्जिम पॉलिसी इन प्रोमोटिंग द इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ द कंट्री' विषय पर आयोजित हुआ सत्र

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में "रोल ऑफ एक्जिम पॉलिसी इन प्रोमोटिंग द इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ द कंट्री'' विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सत्र के सफल आयोजन हेतु

शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय से बीबीए 2018-21 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में एशियन आर्ट सेंटर, मुरादाबाद में मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर कार्यरत श्री अब्दुल्ला बिन मुमताज ने आयात निर्यात की नीतियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किसी भी देश के आर्थिक विकास पर इन नीतियों का व्यापक प्रभाव पड़ता है। सत्र के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. स्वाति राय, स्कूल के एलुमनाई समन्वयक डॉ. निखिल गुप्ता एवं डॉ. चारू दत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में डॉ. निखिल गुप्ता ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, डॉ. हिमांशु गुप्ता समेत स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के अन्य कई शिक्षकों समेत स्कूल के विभिन्न विभागों के 40 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में 'एकल गायन प्रतियोगिता' का हुआ आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मेकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग में ''एकल गायन प्रतियोगिता'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संगीत में गायन कला के महत्व को बताया और आश्वासन देते हुए यह भी कहा कि किसी भी विद्यार्थी को संगीत से संबंधित किसी भी प्रकार की आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय तत्पर है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक के रूप में यांत्रिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत सिंह, मिस रिम्पी छाबड़ा एवं संयोजक डॉ. संजय कुमार यादव समेत आयोजन समिति के अन्य सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के शिक्षक, शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित हुए।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में रोल ऑफ एक्जिम पॉलिसी इन प्रोमोटिंग द इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ द कंट्री विषय पर आयोजित हुआ सत्र

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) एवं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में रोल ऑफ एक्जिम पॉलिसी इन प्रोमोटिंग द इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ द कंट्री विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सत्र के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय से बीबीए 2018-21 बैच के पूर्व छात्र व वर्तमान में एशियन आर्ट सेंटर, मुरादाबाद में मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर कार्यरत अब्दुल्ला बिन मुमताज ने आयात निर्यात की नीतियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किसी भी देश के आर्थिक विकास पर इन नीतियों का व्यापक प्रभाव पड़ता है।

आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज वास्तव ने सत्र के दौरान अत्यंत लाभदायी जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एलुमनस मुमताज की सराहना करते हुए उन्हें उनकी सफलता के लिए बधाई दी। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से सभी विद्यार्थियों में आपसी सामंजस्य बना रहता है। सत्र की आयोजन सचिव सु शेफाली अग्रवाल ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। सत्र के सफल आयोजन में संयोजिका डॉ. स्वाति राय, स्कूल के एलुमनाई समन्वयक डॉ. निखिल गुप्ता एवं डॉ. चारू दत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में डॉ. निखिल गुप्ता ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. राकेश कुमार यादव, डॉ. हिमांशु गुप्ता समेत स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के अन्य कई शिक्षकों समेत स्कूल के विभिन्न विभागों के 40 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मेकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग में हुआ एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मेकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग में एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संगीत में गायन कला के महत्व को बताया और आश्वासन देते हुए यह भी कहा कि किसी भी विद्यार्थी को संगीत से संबंधित किसी भी प्रकार की आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय तत्पर है। एकल गायन प्रतियोगिता को दो भागों में आयोजित किया गया, जिसमें 100 से अधिक गर्ल्स और बॉयज प्रतिभागियों ने प्रतिभागियों ने हिस्स लिया। इस कार्यक्रम में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार, स्कूल ऑफ पालीटेक्निक की अपर निदेशिका प्रो नीलू त्रिवेदी, स्कूल ऑफ साइंस की डॉ. आयशा नेगी, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की डॉ. मेघा भाटिया एवं स्कूल ऑफ सोशल साइंस के पुलकित शर्मा ने ज्यूरी के रूप में निर्णायकों की भूमिका निभाई। अच्छे प्रदर्शन के आधार पर छात्रों की एकल गायन प्रतियोगिता में बी.काम, तृतीय वर्ष के तनिष्क को प्रथम, बी.सी.ए, तृतीय वर्ष के सदान को द्वित्तीय तथा बी.टेक-बायोटेक्नोलॉजी, तृतीय वर्ष के गौरव सागर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

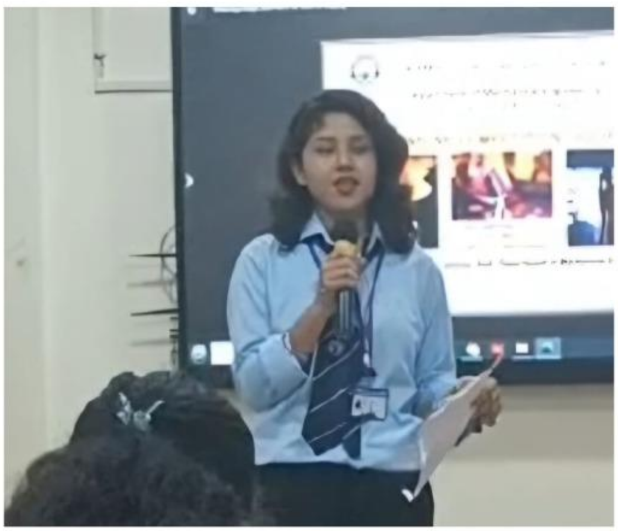

वहीं छात्राओं की एकल गायन प्रतियोगिता में एमबीए, द्वितीय वर्ष की सिमरन को प्रथम, बीबीए, प्रथम वर्ष की संजना को द्वितीय तथा बी.एससी, फूड टेक्नोलॉजी, द्वितीय वर्ष की छात्रा कनिष्का को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक के रूप में यांत्रिकी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विनीत सिंह, मिस रिम्पी छाबड़ा एवं संयोजक डॉ. संजय कुमार यादव समेत आयोजन समिति के अन्य सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के शिक्षक, शिक्षिकाएं और विद्यार्थी उपस्थित हुए।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के छात्र राघविन्दर सिंह को पर्यावरण संरक्षण अधिकारी के पद हेतु ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट की ओर से प्राप्त हुआ जॉब ऑफर

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के बी.एससी. (कृषि) के छात्र राघविन्दर सिंह को ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट द्वारा पर्यावरण संरक्षण अधिकारी के पद हेतु आकर्षक वेतनमान पर जॉब ऑफर दिया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने राघविन्दर सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि होनहार विद्यार्थी किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए ब्रांड एंबेसडर की तरह होते हैं। उन्होंने कहा कि सिंह की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थी भी प्रेरित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि लक्ष्य निर्धारित करके निरंतर मेहनत करने वाले विद्यार्थी अवश्य सफल होते हैं। सिंह की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने भी बधाई दी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एण्ड इंजीनियरिंग के निदेशक प्रो. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि छात्र सिंह स्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत रहने के समय से ही जागरूक एवं परिश्रमी रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सिंह की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय परिवार के लिए भी गर्व का विषय है। इस मौके पर एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल एवं समन्वयक डॉ. ए.एन. चौबे समेत स्कूल के सभी शिक्षकों ने भी छात्र सिंह को उनकी इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

आईएफटीएम में कृषि स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद करियर के अवसर विषय पर हुआ व्याख्यान का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं इंजीनियरिंग में कृषि स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद करियर के अवसर विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को सलाह दी कि उन्हें अपने लक्ष्य को निर्धारित करके उस लक्ष्य की प्राप्ति तक स्वयं को पूर्णरूप से समर्पित कर देना चाहिए। कार्यक्रम की आयोजिका व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं इंजीनियरिंग की शिक्षिका डॉ. अंजली त्रिपाठी व्याख्यान की मुख्य वक्ता रहीं। व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता डॉ. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं तथा प्रतिष्ठानों में अपना करियर बनाने के अवसरों की विभिन्न संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने यह भी बताया कि विद्यार्थी को पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में ही अपना लक्ष्य निर्धारित करके अपने शिक्षकों से मार्गदर्शन लेते हुए उस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में परिश्रम शुरू कर देना चाहिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को स्वरोजगार के अनेक अवसरों के बारे में भी विस्तार के साथ प्रकाश डाला। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को इस व्याख्यान के माध्यम से प्राप्त हुई जानकारी को आत्मसात करने की सलाह देने के साथ ही उन्हें उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं भी दीं।

एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

उन्होंने यह भी कहा कि यह व्याख्यान विद्यार्थियों को अपने करियर हेतु लक्ष्य का चुनाव कर उस लक्ष्य को प्राप्त करने में बहुत मदद मिलेगी। व्याख्यान के दौरान स्कूल के शिक्षकों तथा ९८ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में कृषि स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद करियर के अवसर विषय पर हुआ व्याख्यान का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं इंजीनियरिंग में कृषि स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद करियर के अवसर विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को सलाह दी कि उन्हें अपने लक्ष्य को निर्धारित करके उस लक्ष्य की प्राप्ति तक स्वयं को पूर्णरूप से समर्पित कर देना चाहिए। कार्यक्रम की आयोजिका व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं इंजीनियरिंग की शिक्षिका डॉ. अंजली त्रिपाठी व्याख्यान की मुख्य वक्ता रहीं। व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता डॉ. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं तथा प्रतिष्ठानों में अपना करियर बनाने के अवसरों की विभिन्न संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने यह भी बताया कि विद्यार्थी को पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में ही अपना लक्ष्य निर्धारित करके अपने शिक्षकों से मार्गदर्शन लेते हुए उस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में परिश्रम शुरू कर देना चाहिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को स्वरोजगार के अनेक अवसरों के बारे में भी विस्तार के साथ प्रकाश डाला। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को इस व्याख्यान के माध्यम से प्राप्त हुई जानकारी को आत्मसात करने की सलाह देने के साथ ही उन्हें उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं भी दीं।

एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

उन्होंने यह भी कहा कि यह व्याख्यान विद्यार्थियों को अपने करियर हेतु लक्ष्य का चुनाव कर उस लक्ष्य को प्राप्त करने में बहुत मदद मिलेगी। व्याख्यान के दौरान स्कूल के शिक्षकों तथा ९८ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में आत्मनिर्भर भारत विषय पर हुआ भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग में शासन के निदेर्शानुसार काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव मनाए जाने की कड़ी में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत सरकार की एक पहल है, इस योजना का उद्देश्य भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र और वैश्विक आर्थिक शक्ति बनाना है। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 63 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग लिया, जिनमें अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एससी (ऑनर्स), एग्रीकल्चर, द्वितीय वर्ष के छात्र अंकित गौतम ने प्रथम स्थान, बी.एससी (ऑनर्स), एग्रीकल्चर, चतुर्थ वर्ष के छात्र आनंद गौतम ने द्वितीय स्थान तथा बी.एससी (ऑनर्स), एग्रीकल्चर, प्रथम वर्ष के छात्र रोहित, तनु मंगत एवं योहान ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निदेशक प्रो. वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि इस भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि जब किसी देश का निर्यात उसके आयात से अधिक होता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था सकारात्मक दर से बढ़ती है।

आत्मनिर्भर भारत योजना का मुख्य फोकस स्थानीय व्यवसायों को प्रोत्साहित करके स्वदेशी उत्पादों का उत्पादन करना है, ताकि उनका उत्पादन उन्हें बनाए रखने और देश के बाहर निर्यात करने के लिए पर्याप्त हो। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक व एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल, आयोजिका व डॉ. सुलेखा एवं डॉ. कमलेश कुमार यादव का विशेष योगदान रहा।